Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित
समय दर्शन
ESTD : Since 2011
संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बमलेश्वरी, माँ कालका, माँ भद्रकाली, माँ शताक्षी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पताः- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 07, अंक 151 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये | रायपुर, शनिवार 02 अगस्त 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

रेप कांड में प्रज्वल रेवन्ना दोषी करार, फैसला सुन कोर्ट में रो पड़े जेडीएस पूर्व सांसद

बेंगलुरु। जन प्रतिनिधियों की विशेष अदालत ने जनता दल सेक्युलर (जेडीएस) के निष्कासित नेता और पूर्व लोकसभा सांसद प्रज्वल रेवन्ना को हासन जिले के होलेनरसीपुरा स्थित एक फार्महाउस में डोमेस्टिक वर्कर से रेप के मामले में दोषी ठहराया है. सुनवाई के दौरान दोषी ठहराए जाने के बाद रेवन्ना कोर्ट में रो पड़े। उन्हें कोर्ट रूम से बाहर निकलते समय रोते देखा गया। इससे पहले 30 जुलाई को एक विशेष अदालत ने हासन के पूर्व सांसद के खिलाफ दर्ज चार यौन शोषण और बलात्कार के मामलों में से एक में फैसला 1 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया था. ताजा जानकारी के मुताबिक कोर्ट कल शनिवार को सजा का ऐलान करेगा. वर्तमान और पूर्व सांसदों/विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालत के जज संतोष गजानन भट ने गूगल मैप्स डेटा, तकनीकी साक्ष्य और फॉरेंसिक लैब रिपोर्ट पर स्पष्टीकरण मांगा था. ऑबता दें कि प्रज्वल पर अपने फार्महाउस में पूर्व डोमेस्टिक वर्कर के साथ कथित तौर पर बलात्कार करने का आरोप था.

प्रधानमंत्री मोदी से मिले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय - छत्तीसगढ़ के विकास को मिली नई रफ्तार

1 नवंबर को 'अमृत रजत महोत्सव' में प्रधानमंत्री मोदी को दिया न्यौता सीएम साय ने

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 1 नवंबर 2025 को रायपुर में आयोजित अमृत रजत महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने हेतु आमंत्रित किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को राज्य सरकार की भावी योजनाओं, विकास की प्राथमिकताओं और जनकल्याण से जुड़े प्रमुख विषयों की जानकारी भी दी।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में राज्य गठन की 25वीं वर्षगांठ अमृत रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाई जा रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह आयोजन छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक होगा और प्रधानमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति से इसकी महत्ता और भी बढ़ जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ तेज़ी से प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने 'अंजोर विज़न ञ्च2047' दस्तावेज़ तैयार किया है, जो विकसित भारत के लक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए छत्तीसगढ़ के समावेशी और सतत विकास की रूपरेखा प्रस्तुत करता है। यह विज़न दस्तावेज़ शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, नवाचार और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में सुधार और नवाचार-आधारित पहलों पर केंद्रित है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को अवगत कराया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने केंद्र सरकार के जन विश्वास अधिनियम 2023 से प्रेरणा लेते हुए राज्य में जन विश्वास विधेयक 2025 पारित किया है, जिससे न्याय प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ी है और आम नागरिकों की पहुंच अधिक सुलभ एवं सहज बनी है।

राजधानी नवा रायपुर के सुनियोजित और तीव्र विकास हेतु गठित छत्तीसगढ़ राज्य राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण (स्ष्टत्रष्ठ) की जानकारी भी मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से साझा की। उन्होंने बताया कि इस प्राधिकरण के माध्यम से राजधानी क्षेत्र को एक आधुनिक, स्मार्ट एवं तेज़ी से विकसित शहरी केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री को राज्य में औद्योगिक निवेश और रोज़गार सृजन के क्षेत्र में हो रही उल्लेखनीय प्रगति की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में लागू की गई नई औद्योगिक नीति 2024-30 के परिणामस्वरूप राज्य में निवेशकों की रुचि निरंतर बढ़ रही है। नीति के तहत सिंगल विंडो सिस्टम को लागू किया गया है, जिससे उद्योगों की स्थापना सरल, त्वरित और पारदर्शी बनी है। 1000 से अधिक व्यक्तियों को रोज़गार प्रदान करने वाले उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि नवंबर 2024 से जुलाई 2025 के बीच अब तक 84 कंपनियों से कुल 6.65 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि नवा रायपुर में देश की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट की नींव रखी जा चुकी है, और एआई डेटा सेंटर का निर्माण कार्य भी प्रारंभ हो गया है। इसी प्रकार, टेक्सटाइल, फार्मा, रेडीमेड गारमेंट और आईटी सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए छत्तीसगढ़ को तकनीकी और औद्योगिक हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। राज्य की शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार शालाओं और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के माध्यम से ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु प्रतिबद्ध है।

उपराष्ट्रपति चुनाव की तारीख घोषित, 9 सितंबर को होगा मतदान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के अगले उपराष्ट्रपति के चुनाव को लेकर प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो गई है। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते हुए बताया कि उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान आगामी 9 सितंबर को कराया जाएगा।

चुनाव आयोग की ओर से जारी शेड्यूल के अनुसार, 7 अगस्त को चुनाव के लिए आधिकारिक अधिसूचना (नोटिफिकेशन) जारी की जाएगी। इसके बाद इच्छुक उम्मीदवार 21 अगस्त तक अपना नामांकन दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 22 अगस्त को की जाएगी। उल्लेखनीय है कि यदि विपक्ष की ओर से कोई उम्मीदवार नहीं उतारा जाता है, तो सत्ताधारी गठबंधन के उम्मीदवार का निर्विरोध चुना जाना तय माना जाएगा। हालांकि, उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान गुप्त होता है, जिससे क्रॉस वोटिंग की संभावना बनी रहती है। ऐसे में राजनीतिक समीकरणों पर सभी की नजरें टिकी हैं। इसके साथ ही, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल की सूची तैयार कर ली है।

राहुल गांधी का बड़ा दावा, 'हमारे पास एटम बम है, फटेगा तो हिंदुस्तान में चुनाव आयोग कहीं नहीं दिखेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए दावा किया कि चुनाव आयोग वोट चोरी करवा रहा है और मैं 100 प्रतिशत सबूतों के साथ ये बोल रहा हूं। राहुल गांधी ने कहा कि हमारे पास एटम बम है और ये फटेगा तो हिंदुस्तान में चुनाव आयोग कहीं नहीं दिखेगा। उन्होंने ये भी कहा कि अधिकारी रिटायर भी हो जाएंगे तो छोड़ेंगे नहीं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हमारे पास सबूत है कि चुनाव आयोग वोट चोरी करवा रहा है, और मैं ये हल्के में नहीं बोल रहा हूं। मैं 100 प्रतिशत सबूतों के साथ ये बात कह रहा हूं। हम जैसे ही ये सबूत सबके सामने रखेंगे, पूरे देश को पता चल जाएगा कि चुनाव आयोग वोट चोरी करा रहा है।

नर्सरी की छात्रा को 'राधे-राधे' बोलना पड़ा महंगा: प्रिंसिपल ने बच्चे के मुंह पर टेप चिपकाया, मैं और छड़ी से की पिटाई – अपराध

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन/ नंदिनी-अहिवारा, दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के नंदिनी थाना क्षेत्र के बागडूमर गांव स्थित मदर टेरेसा इंग्लिश मीडियम स्कूल में एक बेहद चिंताजनक घटना सामने आई है। स्कूल की नर्सरी कक्षा में पढ़ने वाली मात्र 3 साल 6 महीने की एक छात्रा को राधे-राधे अभिवादन करने के कारण स्कूल प्रिंसिपल द्वारा मुंह पर टेप चिपकाकर छड़ी से पीटा गया। इस घटना ने पूरे इलाके में आक्रोश की लहर दौड़ा दी है और धार्मिक असहिष्णुता तथा बाल अधिकारों के उल्लंघन को लेकर बहस छेड़ दी है।

घटना का विवरण- घटना 30 जुलाई 2025 की बताई जा रही है। पीड़िता के पिता ने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया कि उनकी बेटी प्रतिदिन की तरह सुबह 7:30 बजे स्कूल गई थी और दोपहर 12:30 बजे लौटने के बाद उसने घर पर घटना की जानकारी दी। बच्ची के अनुसार, जब उसने स्कूल में प्रिंसिपल ईला ईवन कौलविन को राधे-राधे कहा, तो प्रिंसिपल ने क्रोधित होकर उसकी दोनों कलाइयों पर छड़ी से प्रहार किया, कक्षा में फटकारा और उसके मुंह पर टेप चिपका दिया।

पीड़िता के शरीर पर चोट के निशान भी देखे गए हैं। परिजनों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए ग्राम पंचायत सरपंच दामिनी साहू के साथ थाने में जाकर स्कूल प्रबंधन के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई।

सांस्कृतिक आस्था पर हमला ?- घटना की सूचना मिलते ही छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के कार्यकर्ता थाने पहुंचे और इसे सनातन संस्कृति के अपमान से जोड़ते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की। स्थिति को देखते हुए पुलिस को अतिरिक्त बल बुलाना पड़ा ताकि कोई अव्यवस्था न फैले।

पुलिस का बयान- नंदिनी थाना प्रभारी पारस ठाकुर ने बताया कि मामले की सूचना मिलते ही प्रिंसिपल को हिरासत में ले लिया गया है और उनके विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 115(2), 299 तथा किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 75 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी गई है।

बाल अधिकारों की खुली अवहेलना- यह घटना न केवल धार्मिक असहिष्णुता का उदाहरण मानी जा रही है, बल्कि नन्हे बच्चों के साथ हो रहे अमानवीय व्यवहार और शैक्षणिक संस्थानों में बाल सुरक्षा की कमी को भी उजागर करती है। इस मामले ने राज्यभर में बाल अधिकारों की रक्षा को लेकर एक नई बहस खड़ी कर दी है।

यह एक संवेदनशील मामला है जिसकी निष्पक्ष और गहन जांच आवश्यक है। प्रशासन से अपेक्षा है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर एक सशक्त संदेश दिया जाए कि शिक्षा के मंदिर में असहिष्णुता और अमानवीयता की कोई जगह नहीं है। जोहर छत्तीसगढ़ पार्टी से पप्पू मेश्राम जिला महामंत्री कौशल साहू जिला उपाध्यक्ष दुर्ग ग्रामीण कमल पटेल नगर उपाध्यक्ष जामुन आशुतोष साहू नगर अध्यक्ष अहिवारा छत्तीसगढ़िया क्रांति से गोवर्धन ताम्रकार संयोजक अहिवारा नगर धर्मेन्द्र साहू जिला उपाध्यक्ष भिलाई नगर कमलेश मार्कण्डेय महामंत्री अहिवारा नगर से होमन सिंह ठाकुर अश्विनी साहू हितेश पटेल कृष्णा वे अन्य सेनानी उपस्थित रहे।।

संक्षिप्त समाचार

कोटपा एक्ट अंतर्गत जिले में की गई चालानी कार्यवाही

मुंगेली(समय दर्शन)राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत जिले में कोटपा एक्ट 2003 के तहत 15 दुकानों में कार्यवाही की गई। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. शीला साहा के मार्गदर्शन में प्रवर्तन दल द्वारा शैक्षणिक संस्थानों के 100 मीटर के आसपास संचालित 10 तम्बाकू दुकानों में 900 रूपए की चालानी कार्रवाई की गई और 05 दुकानों को चेतावनी दिया गया। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के औषधि निरीक्षक श्री रत्नेश बरगाह ने बताया कि इस दौरान मेडिकल स्टोर्स में नारकोटिक दवाओं के क्रय-विक्रय रिकार्ड की भी जांच की गयी और नियमानुसार संचालन करने के निर्देश दिए गए। गौरतलब है कि कोटपा एक्ट 2003 की धारा 4 के तहत् सार्वजनिक स्थान में धुम्रपान पर प्रतिबंध, धारा 5 के तहत् सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों के ज्ञापन पर प्रतिबंध, धारा 6 के तहत् नाबालिकों और शैक्षणिक संस्थानों के आसपास सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध, धारा 7,8 एवं 10 बिना विशिष्ट स्वास्थ्य चेतावनियों के सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों के विक्रय पर प्रतिबंध धारा 4 एवं 6 के तहत् 200 रूपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

डोम शेड निर्माण का भूमि पूजन, पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह ने पूरी की वार्डवासियों की मांग

दंतेवाड़ा किरंदुल नगर पालिका के वार्ड नंबर 03, बंगाली कैंप मंगल भवन के ऊपर डोम शेड निर्माण के लिए शुक्रवार को भूमि पूजन समारोह आयोजित किया गया। इस कार्य का शुभारंभ पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह ने किया। वार्डवासियों और दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों की लंबे समय से चली आ रही डोम शेड की मांग इस अवसर पर पूरी हुई। पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह ने किरंदुल के विकास में अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए जनता की मांगों के अनुरूप कार्यों को तेजी से पूरा करने का प्रयास किया है। इस समारोह में उपाध्यक्ष बबलू सिद्दीकी, सीएमओ शशि भूषण महापात्र, मंडल अध्यक्ष विजय सोढ़ी, वार्ड पार्षद देवकी ठाकुर, अन्य पार्षदगण, बंग समाज के अध्यक्ष सुकुमार हालदार, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह और वार्डवासी उपस्थित थे। यह निर्माण कार्य क्षेत्र के सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

किरंदुल एनएमडीसी में प्रेमलाल यादव और मायाराम का सेवानिवृत्ति पर भव्य सम्मान समारोह

दंतेवाड़ा किरंदुल, एनएमडीसी बीआईओएम किरंदुल कॉम्प्लेक्स में मेटल माइंस वर्कर्स यूनियन (ढ्ढहृञ्जष्) के तत्वावधान में श्री प्रेमलाल यादव (फील्ड अटेंडेंट, 11/ष्ट स्नक्रस्) और श्री मायाराम (वरिष्ठ इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस) के सेवानिवृत्ति पर एक भव्य सम्मान समारोह यूनियन भवन, किरंदुल में आयोजित किया गया। यूनियन अध्यक्ष विनोद कुमार कश्यप और सचिव ए.के. सिंह के नेतृत्व में दोनों वरिष्ठ सदस्यों को उनकी पत्नी व परिवार सहित पुष्प गुच्छ, शाल, मोमेंटो, उपहार और मिठाई देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में यूनियन के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, विभागीय प्रतिनिधि, ठेका श्रमिक, सुरक्षा गार्ड और अन्य सदस्य उपस्थित रहे। विशेष रूप से चिन्नास्वामी, प्रदीप, महेश कुमार मल्लाह, दिलीप सिंह, शैलेश रथ आदि ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन रविश तिवारी ने किया, और चिन्नास्वामी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। यूनियन ने दोनों सदस्यों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आवारा मवेशियों पर नियंत्रण हेतु जिले में निषेधाज्ञा लागू

मवेशियों को सार्वजनिक स्थानों, सड़क मार्गों, शासकीय भवनों एवं परिसरों में खुले में छोड़ना प्रतिबंधित

उल्लंघन करने पर संबंधित पशु मालिकों के विरुद्ध होगी कार्रवाई

मुंगेली(समय दर्शन) सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाओं और आवारा मवेशियों की वजह से उत्पन्न हो रही समस्याओं के मद्देनजर जिले के सभी अनुविभागों में निषेधाज्ञा जारी की गई है। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार यह आदेश आगामी दो माह तक प्रभावशील रहेगा।

जारी आदेश के अनुसार आवारा मवेशियों की वजह से लगातार सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। इसके साथ ही मवेशियों के सड़क पर घूमने से न केवल यातायात बाधित हो रहा है, बल्कि कई बार जानलेवा दुर्घटनाएं भी घट रही हैं। यह भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 291 तथा पशु क्ररता अधिनियम 1960 के अध्याय 3 धारा 11(1) के तहत दंडनीय अपराध की श्रेणी आता है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत पशुमालिक अपने पशुओं को बांधकर रखेंगे। उक्त आदेश के तहत मवेशियों को सार्वजनिक स्थानों, सड़क मार्गों, शासकीय भवनों एवं परिसरों में खुले रूप में छोड़ना प्रतिबंधित किया गया है। आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित पशु मालिकों के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 188 एवं मवेशी अधिनियम 1960 की अध्याय 3 धारा 11(1) के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है और नागरिकों से अपील की गई है कि वे प्रशासन का सहयोग करें एवं सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करें।

हाई स्कूल पुलगांव में ब्रह्माकुमारी और पुलगांव थाना के संयुक्त तत्वाधान में नशा मुक्ति हेतु जन जागृति कार्यक्रम आयोजित

दुर्ग(समय दर्शन)। नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत हाई स्कूल पुलगांव में ब्रह्माकुमारी राजऋषि भवन केलाबाड़ी और पुलगांव थाना के संयुक्त तत्वाधान में नशा मुक्ति के लिए जन जागृति कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय से ब्रह्माकुमारी चैतन्य प्रभा दीदी एवं ब्रह्माकुमारी रेनू दीदी, पुलगांव हाई स्कूल की प्राचार्य शाजी एंथोनी, पुलगांव वार्ड के पार्षद अश्विनी निषाद एवं पुलगांव थाना के प्रधान आरक्षक संतोष कंवर,आरक्षक अगेश्वर देशमुख उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी चैतन्य प्रभा दीदी ने बताया कि तनाव को दूर करने और क्षणिक आनंद की प्राप्ति के लिए मनुष्य नशे का सहारा लेते हैं लेकिन नशा जीवन भर के लिए दु:खदाई हो जाता है। वास्तव में नशे के अधीन व्यक्ति से अगर पूछा जाए कि आपको नशा क्यों करना है तो वह कहते हैं कि उसे आनंद की प्राप्ति होती है, चिंता से मुक्ति मिल जाती है। ब्रह्माकुमारी चैतन्य प्रभा दीदी ने बताया कि हम राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास करते हैं तो हम सभी प्रकार के चिंता से मुक्त हो सकते हैं एवं अतिन्द्रिय सुख एवं दिव्य आनंद की अनुभूति होती है, जो हमारे मनोबल को बढ़ाने वाला, हमें स्वास्थ्य लाभ देने वाला एवं हमारे चरित्र उत्थान करने वाला है। अत: दुनियावी नशा को छोड़कर अगर व्यक्ति को ईश्वरीय नशा हो जाए तो न केवल उसके परिवार का बल्कि समाज और देश का भी कल्याण हो सकता है आपने बताया की 10 से 14 साल के साढ़े पांच हजार नए बच्चे हर दिन तंबाकू के शिकार होते जा रहे हैं। तंबाकू से हर 8 सेकंड में भारतवर्ष एक व्यक्ति की मृत्यु हो रही है और एक दिन में 3750 एवं एक वर्ष में 15 लाख लोग काल के गाल में समा जाते हैं। ब्रह्माकुमारी चैतन्य प्रभा दीदी ने सभी को राजयोग का अभ्यास करा कर गहन शांति की अनुभूति कराई इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य शाजी एंथोनी ने कहा की ब्रह्माकुमारी दीदीयों द्वारा आज जो जानकारी दी गई और बच्चों को जो प्रेरणा दी गई निश्चित तौर पर लगातार ऐसे प्रयास करने से हमारा स्कूल नशा मुक्त स्कूल बन जाएगा। इस कार्यक्रम को पुलगांव वार्ड के अश्विनी निषाद पार्षद ने भी संबोधित किया और बच्चों को अनुशासन में रहने की शिक्षा दी। पुलगांव थाना से आए हुए प्रधान आरक्षक संतोष कंवर ने भी बच्चों को अपनी जीवन में आए हुए चुनौतियों को शिक्षकों और माता-पिता के मार्गदर्शन में समाधान करने की सलाह दी और अपने छात्र जीवन के अनुभव साझा करते हुए बच्चों को नशा मुक्त रहने की प्रेरणा दी। ब्रह्माकुमार दाऊ भाई ने सभी को नशा मुक्त रहने एवं औरों को भी नशा मुक्त बनने की प्रेरणा देने हेतु शपथ दिलाया। आपने कार्यक्रम का कुशल संचालन भी किया। इस कार्यक्रम से हाई स्कूल पुलगांव के सैकड़ो छात्र-छात्राएं लाभान्वित हुए।

एनजीओ, क्लब व समितियों के लिए कानूनी जागरूकता जरूरी : डॉ. हेमशंकर साहू

राजनांदगांव। राज्य के सामाजिक विकास और सिविल सोसाइटी के सशक्तिकरण में उल्लेखनीय भूमिका निभा रहे वरिष्ठ विधिक सलाहकार डॉ. हेमशंकर जेठमल साहू ने एनजीओ, सोसाइटी, समिति, क्लब और संगठनों की कानूनी सुदृढ़ता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि पारदर्शी दस्तावेजी कार्यप्रणाली ही संगठनों की नींव को मजबूत बनाती है। चर्चा करते हुए डॉ. साहू ने बताया कि वे पिछले 25 वर्षों से पंजीकृत संगठनों को दस्तावेज संबंधी सहायता और कानूनी परामर्श प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सोसाइटी पंजीयन अधिनियम 1973 के तहत पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान दस्तावेज शुल्क की अदायगी अनिवार्य होती है। इसमें कोई चूक संस्था के भविष्य के नवीनीकरण या विभागीय प्रक्रिया में अड़चन बन सकती है। डॉ. साहू ने बताया कि कई बार संगठन समय पर अपने दस्तावेजों का नवीनीकरण नहीं करा पाते, जिससे उन्हें प्रशासनिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक संस्था के पंजीकरण के तुरंत बाद दस्तावेजों की उपयोगिता, लेखा परीक्षण, वार्षिक विवरण, नवीनीकरण की समय-सीमा जैसे विषयों पर कार्यशाला आयोजित की जानी चाहिए, ताकि संस्था प्रमुखों को कानूनी दायित्वों की जानकारी हो। डॉ. साहू का मानना है कि कई संगठन केवल कागजी रूप में सक्रिय होते हैं और समय पर वार्षिक रिपोर्ट या लेखा विवरण प्रस्तुत नहीं करते जिससे उनकी वैधता संकट में आ जाती है। इससे सरकारी अनुदान और सहयोग में भी बाधा उत्पन्न होती है। उन्होंने सुझाव दिया कि फर्म एवं सोसाइटी पंजीयन कार्यालय द्वारा समय-समय पर जिला स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। इन कार्यक्रमों में संस्था प्रमुखों को वार्षिक दस्तावेज, बैंक संचालन, लेखा प्रबंधन सहित अन्य कानूनी प्रक्रियाओं की जानकारी दी जानी चाहिए। डॉ. साहू ने कहा कि जिन संस्थाओं ने तीन या अधिक वर्षों से कोई दस्तावेज विभाग में जमा नहीं किया है, उनके लिए विशेष पुनर्सक्रियता अभियान चलाया जाना चाहिए ताकि वे पुन: सक्रिय होकर समाजसेवा में योगदान दे सकें। अंत में उन्होंने मीडिया से अपील की कि वह ऐसे संगठनों को जागरूक करें जो दस्तावेजी जानकारी के अभाव में समाज सेवा की राह में पीछे छूट जाते हैं।

किसान सम्मान निधि: जिले के 91 हजार 752 किसानों के खाते में 18 करोड़ से अधिक की राशि होगी अंतरित

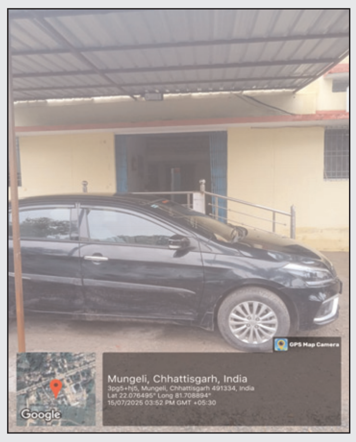

मुंगेली(समय दर्शन) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाराणसी उत्तरप्रदेश में 02 अगस्त को आयोजित किसान सम्मेलन कार्यक्रम से पीएम किसान सम्मान निधि योजनांतर्गत 20वीं किश्त की राशि जारी करेंगे। इनमें जिले के 91 हजार 752 किसानों के बैंक खाते में 02-02 हजार रूपए के मान से 18.35 करोड़ रूपए से अधिक की राशि का अंतरण किया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन उप संचालक कृषि कार्यालय करही मुंगेली में किया जाएगा, जहां लाइव टेलीकास्ट के माध्यम से कार्यक्रम को दिखाया जाएगा।

जिला अध्यक्ष येतराम साहू ने बॉल बैडमिंटन खिलाड़ियों को दी शुभकामनाएं

राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता हेतु जिले की टीम भिलाई रवाना

महासमुंद(समय दर्शन) । 25वीं छत्तीसगढ़ सब जूनियर बॉलबैडमिंटन प्रतियोगिता 2025-26 बालक एवं बालिका का आयोजन 1 से 3 अगस्त 2025 तक भिलाई में आयोजित किया गया हैं, जिसमें महासमुंद जिले की सब जूनियर बालक एवं बालिका टीम शामिल होने आज रवाना हुई। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बेमचा महासमुंद के 20 खिलाड़ियों में गीताजंली साहू, सविता जोशी, महेश्वरी चंद्राकर, आकांक्षा कोसरे, डाली चंद्राकर, भूमि ध्रुव, टिकेश्वर यादव, ललीमा यादव, मोनिका निषाद, मानिका जगत एवं बालक टीम में सागर चंद्राकर, ढालेंद्र यादव, जीतू ध्रुव, मुकेश निषाद, भूपेंद्र पटेल, पुष्पेंद्र साहू, तारेंद्र निर्मलकर, सुमित साहू, उज्जवल चंद्राकर, टिकेश्वर साहू व प्रशिक्षक डॉ. सेवन दास मानिकपुरी, यशवर्धन कहार तथा मैनेजर ओम प्रकाश ध्रुव, वर्षा कोसरे शामिल हैं। खिलाड़ियों को हॉकी एवं बॉल बैडमिंटन में बेहतर प्रदर्शन करने के साथ उनको प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं देने येतराम साहू जिला अध्यक्ष महासमुंद एवं जिला अध्यक्ष भारत स्काउट एंड गाइड, राहुल चंद्राकर अध्यक्ष जिला हॉकी संघ, देवेंद्र चंद्राकर सरपंच बेमचा आनंद साहू जिला उपाध्यक्ष, मनोज धृतलहरे, पंकज चंद्राकर अध्यक्ष जिला एथलेटिक संघ, तन्मय लुनिया, अंकित लुनिया सह सचिव राज्य बाल बैडमिंटन संघ छत्तीसगढ़, डॉ. सेवन दास मानिकपुरी व्यायाम शिक्षक बेमचा, विनोद कुमार वर्मा शिक्षक बेमचा ने खुशी जाहिर करते हुए शुभकामनाएं दीं। जिलाध्यक्ष येतराम साहू ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलकूद एक अच्छा प्लेटफार्म है, खिलाड़ियों के लिए आगे बढ़ने का जिसके माध्यम से खिलाड़ी राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर तथा ओलंपिक में भी पदक जीतकर अपना और अपने पूरे परिवार का नाम रोशन कर सकते हैं साथ ही साथ विभिन्न पदों पर भी आ सकते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि खेलकूद की सारी जरूरतो को पूरा करने की कोशिश करेंगे जिससे वे आगे बढ़ सके। तन्मय लूनिया द्वारा खिलाड़ियों को प्रतियोगिता हेतु खेल कीट सहयोग प्रदाय किया जिसे अतिथियों द्वारा वितरण कर आर्थिक सहयोग किया गया। खेल अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण मनोज धृतलहरे ने योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराते हुए कहा कि बेमचा विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र खेल अभ्यास योजना अंतर्गत संचालित अभ्यास केंद्र हैं, जिसे शासन की योजनान्तर्गत खेल सामग्री हॉकी, बॉल बैडमिंटन प्रदाय किया जा रहा हैं। छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना की जानकारी दी गई, जिसमें योजना अंतर्गत 05 करोड़ लागत से मल्टीपरपज हॉल निर्माण हेतु बजट में शामिल होने प्रस्ताव भेजा गया है। योजना अंतर्गत शामिल खेलों को जो रजिस्ट्रार फर्म एवं सोसायटी से पंजीकृत हैं उन्हें अखिल भारतीय/राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु 02 लाख, जिला स्तरीय प्रतियोगिता हेतु 1 लाख, विकासखंड स्तरीय हेतु 50 हजार, ग्राम पंचायत स्तर हेतु 25 हज़ार नियमानुसार देने का प्रावधान है। पंजीकृत खेलों को खेल सामग्री हेतु आर्थिक सहायता 25 हज़ार देने के प्रावधान हैं। योजना में शामिल खेलों में खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता हेतु अधिकतम 3 लाख रुपए देने के प्रावधान है। प्रतिभा खोज अंतर्गत राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक विजेता खिलाड़ियों को खेल वृत्ति देने के प्रावधान निहित है।ग्रामीण क्षेत्र में हॉकी खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन खेल विभाग द्वारा खनिज मद से हॉकी खेल सामग्री प्रदाय किया गया है जिसके माध्यम से खिलाड़ी प्रतिदिन अभ्यास करते हैं। शासन द्वारा जिला हॉकी संघ महासमुंद को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के आयोजन हेतु राशि 5 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान किया गया है। बेमचा में हॉकी खेल मैदान निर्माण हेतु कार्य किया जा रहा हैं।

सहयोग, प्रतिस्पर्धा और जनभागीदारी ही विकास की कुंजी- मुख्यमंत्री श्री साय

मुख्यमंत्री साय ने दी बधाई : बस्तर को आकांक्षी जिला श्रेणी में मिला राज्य स्तरीय गोल्ड मेडल तोकापाल विकासखंड को मिला कांस्य पदक

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले को राज्य स्तरीय आकांक्षी जिला श्रेणी में गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार 2 अगस्त को रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदान किया जाएगा। इसी क्रम में बस्तर जिले के तोकापाल विकासखंड को आकांक्षी ब्लॉक श्रेणी में कांस्य पदक से सम्मानित किया गया है। दोनों पुरस्कार नीति आयोग द्वारा संचालित आकांक्षी जिला एवं विकासखंड कार्यक्रम के अंतर्गत सम्पूर्णता अभियान के तहत निर्धारित 6 प्रमुख सूचकांकों में शत-प्रतिशत क्रियान्वयन के आधार पर प्रदान किए जा रहे हैं।

इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बस्तर जिले के प्रशासन, जनप्रतिनिधियों एवं जनता को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा प्रारंभ किया गया आकांक्षी जिलों का अभियान एक-दूसरे से सीखने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माध्यम से विकास को गति देने का माध्यम बन रहा है। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए क्षमता विकास और श्रेष्ठ गतिविधियों को अपनाकर ही लोगों का जीवनस्तर बेहतर किया जा सकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश के अन्य जिलों से भी आह्वान किया कि वे बस्तर की भांति एक-दूसरे की श्रेष्ठ पहलों को अपनाकर विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में सक्रिय योगदान दें।

ज्ञातव्य है कि नीति आयोग द्वारा आकांक्षी जिला एवं विकासखंड कार्यक्रम के अंतर्गत सम्पूर्णता अभियान 4 जुलाई से 30 सितम्बर 2024 तक संचालित किया गया था। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि और महिला सशक्तिकरण के तहत चिन्हांकित छह सूचकांकों में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करना था। इस दौरान कृषि विभाग द्वारा 8,500 किसानों के सॉयल हेल्थ कार्ड बनाकर वितरित किए गए। स्वास्थ्य विभाग ने सभी सात विकासखंडों में कुल 1,922 गर्भवती महिलाओं का एएनसी पंजीयन कराया। टीकाकरण के तहत 1,801 शिशुओं को शत-प्रतिशत टीके लगाए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग ने 7,894 हितग्राहियों को पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराया। स्कूल शिक्षा विभाग ने 177 स्कूलों में विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित की तथा समग्र शिक्षा अभियान के माध्यम से पाठ्यपुस्तकों का शत-प्रतिशत वितरण किया गया।

इस अभियान के दौरान बस्तर जिले के ग्रामीण और आंतरिक क्षेत्रों में लक्षित लाभार्थियों तक सेवाएं पहुंचाने में सफलता मिली है। पंचायत विभाग सहित सभी विभागों ने मिलकर जनभागीदारी आधारित एक प्रभावी मॉडल प्रस्तुत किया है, जिससे सभी छह सूचकांकों पर लक्ष्य प्राप्त किए गए।

उल्लेखनीय है कि आकांक्षी जिला कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जनवरी 2018 में की गई थी। इसका उद्देश्य देश के 112 सबसे पिछड़े जिलों का समग्र और तीव्र विकास सुनिश्चित करना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का अभिसरण, अधिकारियों के परस्पर सहयोग और मासिक डेल्टा रैंकिंग के माध्यम से जिलों के बीच प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया गया है। कार्यक्रम की विशेषता यह है कि यह प्रत्येक जिले की क्षमता को ध्यान में रखते हुए कार्ययोजना तैयार करता है, त्वरित सुधार के लिए जरूरी पहलों की पहचान करता है और 5 सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों - स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं जल संसाधन, वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास, और बुनियादी ढांचे के अंतर्गत 49 प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों पर मासिक प्रगति को मापता है।

आंगनबाड़ियों की व्यवस्था और कुपोषण उन्मूलन पर ध्यान दें अधिकारी : मंत्री श्रीमती राजवाड़े

रायपुर।
दंतेवाड़ा में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं की समीक्षा की

छत्तीसगढ़ शासन की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े आज दंतेवाड़ा में महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की गहन समीक्षा की। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने विभागीय अधिकारियों की आंगनबाड़ियों के संचालन, वहां की व्यवस्था के साथ-साथ कुपोषण उन्मूलन कार्यक्रम पर विशेष रूप से ध्यान देने के निर्देश दिए।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि कुपोषण उन्मूलन कार्यक्रम विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्वस्थ छत्तीसगढ़ और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए बच्चों, महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं के पोषण और स्वास्थ्य के प्रति विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगामी छह माह के भीतर पोषण स्तर में ठोस सुधार लाने हेतु विशेष अभियान संचालित करने, हितग्राहियों के घर-घर जाकर भेंट करने तथा पर्यवेक्षकों द्वारा नियमित एवं सघन निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने विभागीय योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार तथा इसका लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से जन-जागरूकता का कार्यक्रम लगातार संचालित किया जाना चाहिए। उन्होंने मरम्मत योग्य आंगनबाड़ी केन्द्रों की सूची तैयार जिला प्रशासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि मरम्मत कार्य प्राथमिकता से कराए जा सकें। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि आगामी छह माह पश्चात वह पुनः दंतेवाड़ा जिले का आकस्मिक दौरा कर विभागीय योजनाओं की जमीन हकीकत का मुआयना करेंगी। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान विधायक श्री चैतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नंदलाल मुड़ामी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री अरविंद कुंजाम, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पायल गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि, महिला एवं बाल विकास विभाग के संचालक श्री पदुम सिंह एल्मा, अपर कलेक्टर श्री राजेश पात्रे, एसडीएम श्री मूलचंद चोपड़ा, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री वरुण नागेश सहित सभी परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

145 बल्क लीटर अवैध महुआ शराब जब्त 690 किलो लाहन किया गया नष्ट

रायपुर। बलौदाबाजार जिले में शराब के अवैध कारोबार पर कड़ाई से रोक लगाने एवं कोचियों पर कार्रवाई के लिए आबकारी विभाग की टीम द्वारा जांच पड़ताल का औचक लगातार संचालित किया जा रहा है। आबकारी की टीम ने जांच पड़ताल के दौरान 145 लीटर महुआ शराब जब्त की है। इस दौरान जब्त 690 किलो महुआ लाहन को भी नष्ट किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कसडोल वृत्त के ग्राम हसुआ बलौदा में अवैध कच्ची महुआ शराब के निर्माण एवं संग्रहण की सूचना प्राप्त होने पर आबकारी टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर अलग-अलग क्षमता वाली जरीकेन में भरी कुल 110 बल्क लीटर महुआ शराब जब्त की। नदी किनारे रखे 23 प्लास्टिक झिलियों में संग्रहित लगभग 690 किलोग्राम महुआ लाहन को नष्ट किया गया। जब्त महुआ शराब का अनुमानित बाजार मूल्य 22,000 रूपए तथा नष्ट किए गए लाहन का मूल्य 41,400 रूपए है। उक्त प्रकरण में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धाराओं के तहत प्रकरण कायम कर विवेचना की जा रही है।

इसी क्रम में पलारी वृत्त अंतर्गत ग्राम रामपुर में की गई कार्रवाई में आरोपी अनिल जांगड़े पिता चेतन जांगड़े के कब्जे से 35 बल्क लीटर महुआ शराब जब्त की गई। जब्त मदिरा का बाजार मूल्य 7,000 रूपए है। आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा के उल्लंघन का प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालयीन अभिरक्षा में भेजा गया। आबकारी अधिकारी ने कहा कि अवैध मदिरा निर्माण एवं विक्रय के विरुद्ध कार्रवाई का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

युक्तियुक्तकरण से शिक्षण व्यवस्था हुई मजबूत

रायपुर। राज्य शासन की युक्तियुक्तकरण नीति से सक्ती जिले के विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है। इसी कड़ी में शासकीय प्राथमिक शाला भक्तूडेरा में एक और शिक्षक की नियुक्ति कर विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा का अवसर दिया गया है।

पूर्व में यह विद्यालय एकल शिक्षकीय था, जहाँ केवल एक शिक्षक के भरोसे पूरी कक्षा संचालन की जिम्मेदारी थी। इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। अब युक्तियुक्तकरण के तहत सुश्री गायत्री साहू की पदस्थापना यहां की गई है, जिससे शाला में शिक्षण व्यवस्था संतुलित और व्यवस्थित हो गई है।

विद्यालय के प्रधानपाठक श्री बाबूलाल सिदार ने बताया कि एकल शिक्षक की स्थिति के चलते लंबे समय से पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। विद्यार्थियों को विषयानुसार मार्गदर्शन नहीं मिल पा रहा था। लेकिन अब मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में लागू की गई युक्तियुक्तकरण योजना से शाला में एक अतिरिक्त शिक्षिका की तैनाती हुई है, जिससे पढ़ाई का स्तर सुधरा है। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय ग्रामीण विद्यार्थियों के भविष्य के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हो रहा है। शिक्षक की उपलब्धता से न सिर्फ शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आया है, बल्कि ग्रामीणों में भी नई उम्मीद जगी है। अब छात्र-छात्राओं को नियमित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है, जिससे पालकों में संतोष और ग्राम में हर्ष का माहौल बना हुआ है। युक्तियुक्तकरण की यह पहल शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम साबित हो रही है।

विभागीय योजनाओं से शत-प्रतिशत हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने दंतेवाड़ा जिले में आंगनबाड़ी, सखी सेंटर, बाल सम्प्रेषण गृह और नारी निकेतन केन्द्रों का किया निरीक्षण

रायपुर।
महिला एवं बाल विकास विभाग तथा समाज कल्याण विभाग मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने दो दिवसीय दंतेवाड़ा प्रवास के दौरान विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति का मुआयना किया। मंत्री श्रीमती राजवाड़े नियद नेल्ला नार योजना में शामिल ग्राम गमावाड़ा के आंगनबाड़ी केंद्र मुंद्रापारा का औचक निरीक्षण कर वहां की सुविधाओं का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सुपरवाईजर को मातृ वंदना योजना, नोनी सुरक्षा योजना सहित सभी शासन की योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत हितग्राहियों तक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने ग्रामीणों से आंगनबाड़ी केंद्र की सेवाओं की गुणवत्ता के बारे में भी जानकारी ली। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने जिला मुख्यालय स्थित सखी सेंटर का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने सेंटर में टोल फ्री नंबर प्रमुखता से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने सखी सेंटर की स्टाफ से बातचीत कर फील्ड में आने वाली समस्याओं और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।

इस दौरान श्रीमती राजवाड़े ने मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत संचालित बाल गृह और बाल सम्प्रेषण गृह का भी निरीक्षण कर बच्चों से बातचीत कर स्वास्थ्य, पोषण और समग्र देखरेख की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित स्टाफ को संस्थाओं के संचालन को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। नारी निकेतन गृह के निरीक्षण के दौरान मंत्री ने वहाँ निवासरत अंत:वासिनियों से एकांत में भेंट कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली और उनके शीघ्र समाधान हेतु जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री वरुण नागेश को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

गडकरी से मिले साय, सड़क परियोजनाओं पर हुई चर्चा...

रायपुर। मुख्यमंत्री साय ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी से उनके निवास पर सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण, सड़क परियोजनाओं की प्रगति और भविष्य की अधोसंरचना योजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री साय ने गडकरी को राज्य में चल रही प्रमुख सड़क परियोजनाओं की अद्यतन जानकारी दी और बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार निर्माण कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य के दूरस्थ और वनवासी क्षेत्रों को मुख्य सड़कों से जोड़ने के प्रयास तेज़ी से किए जा रहे हैं, ताकि वहाँ के लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी और आर्थिक अवसर प्राप्त हो सकें। बैठक में चर्चा हुई कि औद्योगिक क्षेत्रों तथा नवगठित जिलों में सड़क नेटवर्क को सुदृढ़ करना राज्य के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर विशेष बल दिया कि सड़कें केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि वे रोज़गार, निवेश और सामाजिक परिवर्तन की आधारशिला भी हैं। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने छत्तीसगढ़ सरकार की प्राथमिकताओं और दृष्टिकोण की सराहना करते हुए यह भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार राज्य को हर संभव सहयोग प्रदान करती रहेगी। उन्होंने कहा कि आदिवासी अंचलों तक सड़कों की पहुँच से न केवल विकास की गति बढ़ेगी, बल्कि इन क्षेत्रों में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन भी आएगा। मुख्यमंत्री साय ने गडकरी को छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 के अंतर्गत राज्य की दीर्घकालिक रणनीति से भी अवगत कराया, जिसमें एकीकृत और पर्यावरण अनुकूल परिवहन प्रणाली विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ग्रामीण एवं सीमावर्ती इलाकों में सड़क संपर्क को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है, ताकि प्रत्येक नागरिक तक विकास की पहुँच सुनिश्चित की जा सके।

मनोरा में कॉलेज भवन निर्माण के लिए साढ़े 4 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। मुख्यमंत्री साय ने मनोरा विकासखंड के शासकीय कॉलेज भवन के निर्माण कार्य के लिए 4 करोड़ 61 लाख 25 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। यह स्वीकृति मुख्यमंत्री द्वारा अपने जशपुर प्रवास के दौरान की गई घोषणा के अनुरूप दी गई है, जिस पर राज्य सरकार द्वारा तत्परता से अमल किया जा रहा है।

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में किए जा रहे हैं प्रयास- मुख्यमंत्री ने कहा कि, राज्य सरकार का प्रयास है कि, दूरस्थ अंचलों के बच्चों को भी उच्च शिक्षा की बेहतर सुविधाएं उनके निकट ही उपलब्ध हों। इसी उद्देश्य से मनोरा में कॉलेज भवन का निर्माण कराया जा रहा है। इसके साथ ही जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में भी ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए नहीं जाना होगा बाहर- मनोरा में कॉलेज भवन निर्माण की स्वीकृति से क्षेत्र के विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए अब बाहर नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने मुख्यमंत्री की इस पहल के लिए उनका आभार प्रकट किया है।

जीवन में हमेशा कल्याण मित्र बनाइए : मनीष सागरजी महाराज

रायपुर। टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में बुधवार को चातुर्मासिक प्रचवनमाला में परम पूज्य उपाध्याय प्रवर युवा मनीषी श्री मनीष सागरजी महाराज ने कहा कि मित्रता दिवस को इस बार ऐसा मनाना है कि हमारा कल्याण हो। देव, गुरु और धर्म से हमारी मित्रता हो। कल्याण मित्र से मित्रता हो। माता-पिता से मित्रता हो। धर्मशास्त्र आदि से हमारी मित्रता हो। सभी को यह संकल्प लेना है कि विकारी मित्र से मित्रता नहीं करना है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि- मैत्री और मोह की लड़ाई जीवन में होती है। मैत्री और मोह का भेद जानने से ही कल्याण संभव है। मित्रता दो तरह की होती है। एक मैत्री भावना रूप और दूसरी मोह भावना रूप। मैत्री भावना रूप होती है तो कल्याण मित्र होते हैं और मोह भावना रूप होती है तो पाप मित्र होते हैं। हर जीव को दो विश्लेषण अपने जीवन में करना चाहिए क्या कल्याणकारी है वह क्या पपकारी है। हमें रुचि से नहीं जीना है, सच्चाई से जीना है। अधिकांश लोगों में विकार है। जब विकारी विकार से जुड़ता है तो मोह मित्र बनते हैं।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि जब तक पात्रता, योग्यता का विस्तार नहीं होगा, तब तक कुछ नहीं होगा।।केवल भावना से कुछ नहीं होगा। यदि पुण्य से धन मिला है तो उस धन को पुण्य में भी लगाना चाहिए। केवल कमाने के पीछे नहीं भागना है। धन का सदुपयोग हो यह भी हमें देखना है।

यह भी विश्लेषण करना है कि धन कम था तो धर्म कितना था और धन अधिक हुआ तो धर्म कितना पहुंचा। केवल धर्म, स्वाध्याय, मंदिर जाने, प्रतिक्रमण करने से ही धर्म नहीं होता। हमारे भाव में क्या चल रहा है, भीतर में क्या चल रहा यही विश्लेषण सदैव करना है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि हिंसा के मार्ग पर नहीं, हमें अहिंसा के मार्ग पर चलना चाहिए। आत्मा की हिंसा नहीं करनी चाहिए। हम अपने भाग्य विधाता स्वयं बनते हैं। राग और द्वेष ही हिंसा की जड़ है। राग और द्वेष को जितना होगा तभी हिंसा से बचा जा सकता है। द्वेष में तो हम लड़ते हैं पर अपने राग से लड़ना चाहिए। यदि राग से लड़ोगे तो किसी के प्रति द्वेष नहीं होगा। राग ही द्वेष का जनक है। हमारे भीतर का राग ही किसी न किसी के प्रति द्वेष पैदा करता है। इसलिए वीतरागी और विद्वेषी मार्ग पर चलो ऐसा परमात्मा ने संदेश दिया है।

संपादकीय

यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के बीच एफटीए

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) आगामी एक अक्टूबर से लागू होगा। आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विटजरलैंड ईएफटीए के सदस्य देश हैं। इस समूह का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार स्विटजरलैंड है। बाकी के तीन देशों के साथ भारत का व्यापार बनिस्बत कम है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कारोबारी मामलों में मानसिक अस्थिरता और हर छोटे-बड़े देश पर टैरिफ थोपने की आतुरता के चलते ईएफटीए के तहत मिलने वाली बाजार पहुंच निश्चित ही भारत के लिए उत्साहजनक घटनाक्रम है। इस बाजार पेशकश में 100 फीसद गैर-कृषि उत्पाद और प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों पर टैरिफ में रियायत शामिल हैं। समझौते में भारत 82.7 फीसद टैरिफ लाइनों की पेशकश कर रहा है, जो ईएफटीए के 95.3 फीसद निर्यात को कवर करती है। दूसरी तरफ, ईएफटीए ने अपनी 92.2 फीसद टैरिफ लाइनों की पेशकश की है। जाहिर है कि इससे दोनों पक्ष लाभान्वित हो सकेंगे। बताया गया है कि समझौता लागू होने से देश में दस लाख से ज्यादा नौकरियां निकलेंगी। साथ ही, घरेलू ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले स्विस उत्पाद जैसे घड़ियां, चॉकलेट, बिस्कुट आदि कम कीमत पर उपलब्ध हो सकेंगे। समझौते से भारी मात्रा में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आने तथा कई क्षेत्रों में परस्पर आर्थिक सहयोग गहराने की संभावना है। बीते 10 वर्षों में 50 अरब डॉलर का एफडीआई इन देशों से भारत पहुंचा था। उम्मीद है कि एफटीए के कार्यान्वन से अगले 5 वर्षों में 50 अरब डॉलर का अतिरिक्त विदेशी निवेश इन देशों से भारत पहुंचेगा। दोनों पक्षों के बीच हुआ समझौता नतीजाकुन होने के लिए जरूरी है कि व्यापार, निवेश और व्यावसायिक साझेदारी को बढ़ावा मिले। दोनों ओर के कारोबारियों के लिए व्यापार-अनुकूल माहौल बने। इसके लिए डेडिकेटेड भारत-ईएफटीए डेस्क शुरू की जा रही है, जो सरकारों और निजी कंपनियों, दोनों के लिए एकल खिड़की प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगी। विभिन्न देशों के ऐसे छोटे कारोबारी समूहों या ब्लॉकों के बीच होने वाले व्यापार समझौतों से अमेरिका जैसे बड़े देशों की दादागीरी पर यकीनन अंकुश लग सकेगा।

हिमाचल शासन जैसे रुख की आवश्यकता

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

18 अगस्त, 2023 में जल विद्युत परियोजनाओं द्वारा मनमाने ढंग से पानी छोड़े जाने से जुड़े सुरक्षा मुददों को गंभीरता से लेते हुए एक विशेष बैठक में राज्य के तत्कालीन मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना ने जब अधिकारियों को बांध सुरक्षा अधिनियम, 2019 और केंद्रीय जल आयोग के 2015 के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन कर पानी छोड़ने वाली परियोजनाओं को वैधानिक नोटिस देकर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे तो उनका ऐसा करना पूरे देश के संदर्भ में अनुकरणीय माना गया था। पानी और सामाजिक क्षेत्र में काम करने वालों ने इसे सराहा था। असामान्य बाढ़ों और आपदाओं से जूझते हिमाचल में परियोजनाओं से छोड़े गए पानी से राज्य में सार्वजनिक और निजी संपत्तियों, सड़कों और खेती के नुकसान-जोखिम बढ़ने की भी आशंका थी। तब पाया गया कि राज्य में अस्सी प्रतिशत से ज्यादा जल विद्युत परियोजनाएं ऐसी हैं जो इन विनियमनों का पालन नहीं कर रही थीं। लगभग दो साल बाद देश में ही जल विद्युत परियोजनाओं से जनहानि के इस पहलू को बरसात में चर्चा में लाना प्रासंगिक होगा। डैम सेफ्टी बिल में बांध के गलत प्रबंधन या बांध की क्षति या टूट से नीचे के क्षेत्र में जान-माल और पर्यावरणीय तथा सामाजिक हानियों से सुरक्षा संबंधी कार्यकारी सुझाव और निर्देश हैं। हानियां बांध की ऊंचाई, भंडारण क्षमता, पानी का वेग, पानी के विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंचने के समय, जनसंख्या आदि पर भी निर्भर करेंगी। बिना चेतावनी पानी छोड़े जाने की देश के सर्वाधिक दुखद हादसों में से एक हिमाचल में 8 जून, 2014 में हुआ था। मंडी जिले में लारजी बांध से अचानक छोड़े गए पानी से हैदराबाद के एक इंजीनियरिंग कॉलेज के 24 छात्र-छात्राएं ब्यास नदी के बढ़े तेज बहाव में बह गए थे। पूरा देश इस हादसे से हतप्रभ रह गया था। लार जी बांध परियोजना की सुरंग चार किमी. से ज्यादा लंबी है। चरम बिजली उत्पादन की जल आवश्यकता के कारण नदी लगभग सूखी दिखती है। पानी न के बराबर देख ही छात्र-छात्राएं नदी में फोटू खींच-खिंचवा रहे थे। हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने छात्र-छात्राओं की मृत्यु का कारण लार जी बांध का हत्यारा सा व्यवहार माना था। इन्हीं संदभरे में बांध जलाशयों की निगरानी, निरीक्षण, कार्यान्वन और रखरखाव तथा चेतावनी पण्रालियों को सुचारु करने के लिए कुछ निर्देश भी तय हुए थे। इनके सही पालन पर मुख्य सचिव ने 18 अगस्त को भी जोर दिया था। रन ऑफ रिवर हो या जलाशय आधारित, बिजली परियोजना, सबमें ज्यादा बिजली की मांग होने या अन्य कारण लंबी-लंबी अवधि तक नदियां लगभग जलविहीन हो जाती हैं। लक्षित उत्पादन पाने के लिए रखरखाव के बाद त्वरित पानी छोड़ दिया जाता है। ऐसे में हादसे हो जाते हैं। मवेशी भी हताहत हो जाते हैं। उत्तराखंड में उत्तरकाशी और ऋषिकेश से सालोंसाल घाटों या सूखे टापुओं में बैठे लोगों में अचानक परियोजनाओं से पानी छोड़े जाने से अफरातफरी या आम जन, छात्र और पर्यटकों के नदी में बहने के समाचार आते रहते हैं। बाहर से आए लोगों के लिए स्थानीय स्थितियां भी अनजानी होती हैं। ऋषिकेश में रिवर राफ्टिंग की दुर्घटनाओं के संदर्भ में कुछ अनुभवी विषेषज्ञ तो यह भी कह चुके हैं कि ऊपर पहाड़ों की बांध परियोजनाओं द्वारा मनमाने ढंग से पानी छोड़े जाने से ही ऐसे जोखिम बढ़े हैं क्योंकि ऐसे में अचानक सामान्य धाराओं और लहरों में भी असामान्य बदलाव हो जाता है। उत्तरकाशी में स्थानीय बिजली परियोजना या बैराज से छोड़े गए पानी से हादसों और हानियों के बीच 2007 नवम्बर में उत्तरकाशी में स्थानीय जन धरने पर भी बैठे थे। उनकी मांग थी कि मनेरी भाली जलविद्युत परियोजना की आपदा प्रबंधन योजना और पानी छोड़ने की प्रक्रिया सार्वजनिक की जाए। हिमाचल हादसे के बाद ही झारखंड में भी बिना चेतावनी बांध से पानी छोड़े जाने के कारण पांच छात्रों को अथाह जलराशि ने लील लिया था। मनमानापन पानी छोड़ने का ही नहीं है, पानी न छोड़ने में भी होता है। मई, 2023 में ही हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने मंडी की एक संस्था की जनहित याचिका पर विचार किया था।

अमेरिका के टैरिफ अटैक से प्रभावित होंगे भारतीय निर्यात, लेकिन लांग टर्म में कारोबारी हित रहेंगे अछूते!

कमलेश पांडे

लीजिए, अंततोगत्वा अमेरिका ने भारत पर अपना टैरिफ बम फोड़ ही दिया। लेकिन अब भारत क्या जवाबी कार्रवाई करता है, इसपर दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। उल्लेखनीय है कि गत बुद्धवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारतीय चीजों पर 25 प्रतिशत जवाबी टैरिफ लगाने का पुनः ऐलान किया। हालांकि, चतुराई पूर्वक ट्रंप ने भारत को 'दोस्त' बताते हुए निज सोशल मीडिया साइट 'सोशल ट्रूथ' पर किये गए अपने पोस्ट में लिखा है कि यह टैरिफ 1 अगस्त से लागू होगा।

वहीं, अभी तक यह भी साफ नहीं हुआ है कि ट्रंप का यह टैरिफ पहले से लागू 10 प्रतिशत शुल्क के अतिरिक्त होगा या उसमें ही समाहित होगा। इसके अलावा, भारत की रूसी मित्रता के लिए जो अमेरिकी जुर्माना लगेगा, वह कितना होगा। बता दें कि ट्रंप ने इससे पहले गत 2 अप्रैल को भारत सहित कई देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जिसे पहले 90 दिनों तक और फिर बाद में 1 अगस्त तक टाल दिया था।

वहीं, इस बार ट्रंप ने यह ऐलान भी किया कि भारत रूस से हथियार और तेल खरीद रहा है, इसलिए उस पर जुर्माना भी लगाएंगे। हालांकि यह जुर्माना कितना होगा, उन्होंने यह अभी साफ नहीं किया। बता दें कि ट्रंप ने टैरिफ का ऐलान ऐसे समय किया है, जब कारोबारी समझौते पर बातचीत के लिए अमेरिकी दल 25 अगस्त को भारत आने वाला है। इसलिए जानकार ट्रंप के इस ऐलान को भारत पर दबाव बनाने की रणनीति के रूप में देख रहे हैं। लेकिन भारत क्या अमेरिका के टैरिफ के समक्ष घुटने टेक देगा, यह यक्ष प्रश्न बना हुआ है।

ट्रंप के मुताबिक, भारत और अमेरिका दोस्त हैं, लेकिन उसके साथ बहुत कम ट्रेड हो रहा है, क्योंकि उसने बहुत ऊंचे टैरिफ लगा रखे है। भारत की गैर-आर्थिक कारोबारी बाधाएं दुनिया में सबसे कठोर है। यही नहीं, जब पूरी दुनिया रूस को यूक्रेन में नरसंहार रोकने के लिए कह रही थी, भारत ने तब भी उससे बड़ी मात्रा में हथियार और तेल खरीदा। इसके अलावा चीन के साथ वह सबसे बड़े खरीदार हैं। हालांकि, ट्रंफ यह भूल गए कि भारत रूस से बार बार यह भी कहता रहा है कि यह युद्ध नहीं, बुद्ध का समय है। इसलिए भारत पर थोपे गए इस अमेरिकी टैरिफ के खास मायने हैं, जिसे समझे जाने की जरूरत है। आपको पता होना चाहिए कि भारत से सबसे अधिक निर्यात अमेरिका को ही होता है। गत जून तक में यूएसए को 829.8 करोड़ डॉलर का निर्यात हुआ था। जबकि साल 2025 में करीब 91 नए टैरिफ दर से इस निर्यात पर बड़ा असर पड़ेगा। इससे भारत के ऑटोमोबाइल्स, टेक्सटाइल्स, लेदर, जेम्स ऐंड जूलरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, एग्रो फार्मा सेक्टरों की चीजें अमेरिका में महंगी होगी।

हालांकि, बांग्लादेश पर 35त्न, थाइलैंड पर 36 प्रतिशत, कंबोडिया पर 36 प्रतिशत जैसे प्रतिद्वंद्वी देशों पर ज्यादा टैरिफ से कम आंच आएगी। वहीं, जहां तक शेयर बाजार में असर का सवाल है तो चुनौती वाले सेक्टरों से जुड़ी कंपनियों के शेयरों पर असर दिख सकता है। हालांकि इस जवाबी टैरिफ की आशंका पहले से थी। इसलिए कुछ उतार-चढ़ाव के बाद यह स्टेबल हो सकता है, क्योंकि भारतीय इकॉनमी मजबूत स्थिति में है। इसलिए, भारत सरकार के

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि, 'द्विपक्षीय व्यापार पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने जो बयान दिया है सरकार उसके असर का स्टडी कर रही है। भारत और अमेरिका निष्पक्ष संतुलित परस्पर लाभप्रद व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे है। सरकार राष्ट्रीय हितो की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगी।

वहीं, जानकारों का मानना है कि ट्रंप के ऐलान के बाद भी टैरिफ घटने का चांस है, क्योंकि साल 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 बिलियन डॉलर तक ले जाने के लिए दोनों देशों के बीच बातचीत हो रही है। हालांकि, इस बातचीत के बीच में ही अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का जो ऐलान किया है, उससे निर्यात पर काफी बड़ा असर पड़ेगा। इसलिए उद्योग संगठनों ने यह चिंता जताई है।

उल्लेखनीय है कि व्यापार समझौते पर बातचीत के छठे दौर के लिए अमेरिकी अधिकारियों का दल 25 अगस्त को भारत आने वाला है। जबकि कॉमर्स मिनिस्ट्री के एक अधिकारी ने कहा, 'ट्रंप ने जो कुछ कहा है, उसमें पेनाल्टी सहित कुछ चीजें साफ नहीं है। इसलिए द्विपक्षीय समझौते पर बातचीत जारी रहेगी। इस बीच मिनी ट्रेड डील का प्रयास भी हो रहा है। यह डील होने पर इसकी शर्तों के मुताबिक टैरिफ लगेगा। इसकी संभावना बनी हुई है।'

वहीं, निर्यातकों के संगठन एफआईईओ (FIEO) के डायरेक्टर जनरल डॉ.अजय सहाय ने कहा है कि, ''ट्रंप के कदम से अनिश्चितता बढ़ गई है। कितनी पेनाल्टी लगेगी, यह साफ होने तक भारतीय निर्यातक और अमेरिकी आयातक न तो लैंडेड कॉस्ट का अंदाजा लगा पाएंगे, न ही यह आकलन कर पाएंगे कि टैरिफ के बोझ से किस तरह निपटा जाएगा। इस अनिश्चितता से सप्लई चेन प्लानिंग और प्राइसिंग की रणनीति प्रभावित होगी। वहीं, फिक्की (FICCI) के प्रेसिडेंट हर्षवर्द्धन अग्रवाल ने ट्रंप के बयान पर निराशा जताते हुए कहा है कि, ''इस दुर्भाग्यपूर्ण कदम का हमारे एक्सपोर्ट्स पर साफ तौर पर असर पड़ेगा। उम्मीद है कि ज्यादा टैरिफ का दौर छोटा ही रहेगा और दोनों पक्षों के बीच एक स्थायी व्यापार समझौता जल्द हो जाएगा।'' वहीं, पीएचडीसीसीआई (PHDCCI) के प्रेसिडेंट हेमंत जैन ने कहा है कि, ''समय आ गया है कि इंडियन इंडस्ट्री क्वॉलिटी और कॉम्पिटीटिवनेस के साथ खड़ी हो। चीन और वियतनाम पर इसी तरह के टैरिफ लगने के साथ भारत को लॉन्ग टर्म ट्रस्ट, विविधता से भरे मार्केट शेयर और भरोसेमंद ग्लोबल पार्टनर के रूप में मजबूत पोजिशनिंग से फायदा होगा।'' सवाल है कि आखिर अमेरिकी टैरिफ का किस तरह का असर दिखेगा? तो जवाब होगा कि रत्न एवं आभूषण, इलेक्ट्रिकल मशीनरी, कपड़ा और दवा उद्योगों का मामला ज्यादा अहम है। क्योंकि अमेरिका को कुल निर्यात में इनका हिस्सा 40त्न से ज्यादा है। वर्ष 2024 में भारत से 21.5 बिलियन डॉलर की इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल मशीनरी, 12.7 बिलियन डॉलर की दवाएं,12 बिलियन डॉलर से ज्यादा के रत्न-आभूषण और 8 बिलियन डॉलर के रेडीमेड गारमेंट्स सहित टेक्सटाइल्स अमेरिका भेजे गए।

हालांकि भारत अकेला नहीं है जिस पर नया रेसिप्रोकल यानी जवाबी टैरिफ ठोका गया है, बल्कि लगभग 90 देशों पर अमेरिका ने जवाबी टैरिफ लगाया है। इसमें बांग्लादेश पर 35 प्रतिशत, थाईलैंड पर 36 प्रतिशत, कंबोडिया पर 36 प्रतिशत और इंडोनेशिया पर 32 प्रतिशत का टैरिफ लगाया गया है। इसलिए भारत के लिए सब्र की बात यह है कि उसके जैसे अन्य मुख्य कारोबारी प्रतिद्वंद्वी देशों पर ज्यादा टैरिफ लगा हुआ है, जिसको देखते हुए तुलनात्मक रूप से भारत पर कुछ मामलों में कम आंच आएगी। इससे कुछ रणनीतिक बातें भी अब साफ होने में मदद मिलेगी। ऐसा इसलिए कि वैश्विक दुनियादारी में यह आम अवधारणा है कि ऐसा कोई सगा नहीं, जिसको अमेरिका ने ठगा नहीं। इसके अलावा, अमेरिका से दोस्ती को खल से प्रीति करार दिया जाता है। तभी तो कभी चीन के खिलाफ भारत को अपना मजबूत हिन्द महासागर सहयोगी बताने वाला अमेरिका अब भारत के पीछे हाथ धोकर पड़ा है। कभी भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना दोस्त बताने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब दुश्मनी के हर कोने को खंगाल लेना चाहते हैं, ताकि वैश्विक आर्थिक और सैन्य रेस में तेजी से फर्राटे भर रहे भारत को पछाड़ा जा सके।

हैरतअंगेज तो यह है कि इसके लिए अमेरिका ने गद्दार पाकिस्तान और महत्वाकांक्षी चीन की हर शर्तें स्वीकार कर लीं, ताकि रूस का सहयोग करके अमेरिकी-यूरोपीय अरमानों को कुचलने वाले भारत को काबू में किया जा सके। अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिज्ञ बताते हैं कि रूस के सदाबहार सहयोगी चीन से अब अमेरिका को उतना खतरा नहीं है, जितना कि ग्लोबल साउथ के पैरोकार भारत की मौजूदा और भविष्य की योजनाओं से है।

समझा जाता है कि जैसे कभी रूस के खिलाफ चीन को सहयोग करने वाला अमेरिका चीनी मनमानी से परेशान होकर भारत को मदद करने लगा, फिर भारत की मनमानी से परेशान होकर पाकिस्तान को मदद करने लगा, फिर पाकिस्तान की मनमानी को काबू में रखने के लिए बंगलादेश की मदद करने लगा, उसके भारतीय उपमहाद्वीप में रणनीतिक मायने हैं। ठीक उसी प्रकार से जैसे अरब देशों में इजरायल की मदद के रणनीतिक मकसद हैं, रूस के खिलाफ यूक्रेन की मदद करने के रणनीतिक फायदे हैं, चीन के खिलाफ ताइवान को सहयोग देने के रणनीतिकार लाभ हैं। चूंकि यह सभी कार्य अमेरिकी प्रशासन अपने हथियार लॉबी की योजनाओं के मुताबिक करता है, इसलिए उसे इन खुराफातों के लिए कभी धन की कमी नहीं पड़ती। जबकि उसकी इन हरामखोर नीतियों से प्रभावित देश आपसी प्रतिरोपित लड़ाई-झगड़े में बर्बाद होते रहते हैं। इससे वे अमेरिकी डॉलर मदद और हथियार सप्लाई रैकेट के सहज शिकार हो जाते हैं। भारत इसे बखूबी समझता है। इसलिए कभी भारत विरोधी रहे अमेरिका के साथ नई दोस्ती के कदम बढ़ाने के साथ-साथ भारत ने फूंक फूंक कर हर निर्णय लिए, ताकि उसकी गुटनिरपेक्षता की नीति प्रभावित नहीं हो।

चूंकि भारत ने रूस के साथ दोस्ती नहीं छोड़ी, चीन के साथ नियंत्रित पंगा लिया, अमेरिका व यूरोप के बीच कारोबारी दूरी बढ़ाने के लिए अमेरिका के बजाय फ्रांस, जर्मनी, इंग्लैंड, इटली व यूरोपीय संघ को तवज्जो दिया, अरब देशों में इजरायल, सऊदी अरब, ईरान, अफगानिस्तान आदि देशों को प्रमुखता दी, अफ्रीकी व दक्षिण अमेरिकी देशों से प्रगाढ़ सम्बन्ध बनाए, जापान, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया से अपने हितों के अनुरूप दोस्ती गांठे। जो अमेरिका-चीन को नागवार गुजरी।

इतना ही नहीं, भारत ने जी-7 और ब्रिक्स देशों की बैठकों में ग्लोबल साउथ के मुद्दों को जितनी प्रमुखता से उठाया, उससे विकसित देशों के कान खड़े हो गए। भारत ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया को नेतृत्व दिया। इससे पूरी दुनिया में भारत की धाक जमने लगी। इस दौरान भारत ने आशातीत आर्थिक और सैन्य प्रगति की। डिजिटल दुनिया के देशों का नया बादशाह बनने लगा यही वजह है कि अमेरिका, भारत से चिढ़ने लगा।

यही नहीं, अमेरिका द्वारा प्रोत्साहित पाकिस्तान द्वारा पहलगाम आतंकी हमला करवाने और फिर भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के बुरी तरह से पिट जाने से जहां अमेरिका-चीन की भारत विरोधी रणनीति की हवा निकल गई, वहीं भारत की प्रतिरक्षात्मक सैन्य तैयारियों और अचूक मारक हमलों से उसकी अंतरराष्ट्रीय साख बढ़ गई। इस दौरान अपनाई गई अमेरिका की दोगली भूमिका की पोल पट्टी भी भारत के समक्ष खुल गई। जिससे दोनों देशों के बीच विकसित हो रहे नवविश्वास को गहरा धक्का लगा।

यही वजह है कि अमेरिका ने भारत पर नया टैरिफ लगाया है, ताकि आशातीत भारतीय विकास को अवरुद्ध किया जा सके। यदि ऐसा होगा तो रूस-चीन को भी धक्का लगेगा, क्योंकि दोनों देशों को भारत से बहुत लाभ हो रहा है। रूसी प्रभाव में भारत चीन के प्रति भी नरम रुख रखे हुए है।

हिंसक भाषा बोध के बीच भाषायी सहिष्णुता की अपील

उमेश चतुर्वेदी

आमची मराठी बोध को लेकर जारी सियासी खींचतान के बीच आए राज्यपाल के बयान को लेकर विवाद नहीं होता तो ही आश्चर्य होता। मराठी स्वाभिमान के बहाने हिंदीभाषियों से हिंसा का समर्थक रही महाराष्ट्र नव निर्माण सेना यानी मनसे हो या फिर शिवसेना-उद्धव ठाकरे, दोनों के नेता राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के विरोध में उतर आए हैं। शिवसेना-उद्धव के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा है कि मराठी महाराष्ट्र में नहीं बोली जाएगी तो क्या भूटान में बोली जाएगी। मनसे नेता संदीप देशपांडे ने कहा है कि राज्यपाल को मराठी स्वाभिमान और मराठी भाषा के अपमान में अंतर समझना चाहिए।

सीपी राधाकृष्णन भले ही तमिलभाषी हों, लेकिन मराठी गौरवबोध के बहाने जारी भाषा विवाद में हस्तक्षेप करके उन्होंने एक तरह से अपने दायित्वबोध को ही जाहिर किया है। तमिलनाडु के कोयंबटूर से दो बार लोकसभा सदस्य रहे राधाकृष्णन आपसी बातचीत में मानतेरहे हैं कि राजनीति में अखिल भारतीय व्याप्ति के लिए हिंदी का सहयोग जरूरी है। इन पंक्तियों के लेखक से कई बार उन्होंने हिंदी सिखाने की अपील की है। यह बात और है कि हिंदी के कुछ शब्दों के अलावा कुछ ज्यादा नहीं सीख पाए। तमिलनाडु के राजनीतिक हलकों में उन्हें तमिल मोदी कहा जाता रहा है। तमिलनाडु की राजनीति हिंदी के कटु विरोध के लिए जानी जाती रही है। 1968 में तमिलनाडु में हिंदी को राजभाषा बनाने के खिलाफ हिंसक आंदोलन हो चुका है। राधाकृष्णन ने उस आंदोलन की हिंसक तपिश को महसूस किया है। इसके बावजूद हिंदी सीखना उनकी चाहत रही है। हिंदी विरोध की आंच में पली-बढ़ी तमिलनाडु की एक पूरी पीढ़ी आपसी बातचीत में मानती है कि उसने क्या खोया है। वह पीढ़ी अब प्रौढ़ावस्था के उतरार्ध की

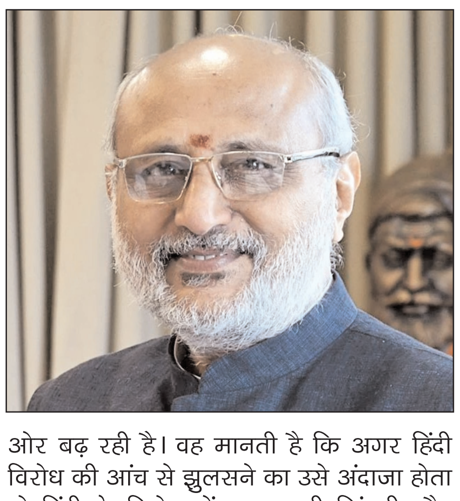

ओर बढ़ रही है। वह मानती है कि अगर हिंदी विरोध की आंच से झुलसने का उसे अंदाजा होता तो हिंदी के विरोध में वह अपनी जिंदगी और अपने सपनों को होम नहीं करती।

राज्यपाल ने वैसे कुछ ऐसा नहीं बोला है, जिसे तूल दिया जा सके। उन्होंने कहा है कि किसी को पीटने के बाद क्या वह तत्काल मराठी बोलने लगेगा। निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। सीपी राधाकृष्णन 1998 और 1999 में लगातार दो बार कोयंबटूर से चुने गए थे। उन दिनों वे तमिलनाडु बीजेपी के अध्यक्ष भी रहे। उसी दौर की एक घटना का जिक्र उन्होंने अपने बयान में किया है। इस बयान में उन्होंने कहा है कि एक बार वे तमिलनाडु में कहीं जा रहे थे तो तमिल न बोलने के चलते कुछ हिंदीभाषी लोगों के साथ स्थानीय भाषा आंदोलनकारी मारपीट कर रहे थे। जिसके लिए उन्होंने हिंदीभाषियों से माफी मांगी और तमिल बोलने की जिद्द करने वाले लोगों से कहा था कि क्या उनके हाथों पिट जाने के बाद कोई तत्काल तमिल बोल पाएगा।

भारत की हर भाषा का सम्मान हो, हर भाषा को बोलने वालों का सम्मान हो, इस सोच को बढ़ावा देने की जरूरत है। भारत की हर भाषा एक-दूसरे से जुड़ी है। भारत की भाषाएं आपस में बहनें हैं। इनके बहनापा को बढ़ावा देने की जरूरत है। कोई भाषा श्रेष्ठ है या कोई भाषा कमजोर है, इसकी तुलना भी बेमानी है। बहुभाषी भारत में एक कहावत पूरी शिद्दत से कही जाती है कि कोसृ-कोस पर पानी बदले, तीन कोस पर बानी। इसका आशय साफ है कि कुछ ही दूरी पर भाषा का स्वरूप बदल जाता है। लेकिन क्या व्यक्ति इसका व्यवहार करना छोड़ देता है,क्या कुछ दूरी पर बदली भाषा से वह घृणा करने लगता है। भाषाओं की दुनिया किसी राष्ट्र की चौहद्दी नहीं हैं कि बाड़ लगाकर उन्हें रोक दिया जाएगा, भाषाओं का समाज नदी के पाट की तरह भी नहीं है कि उनके किनारों को बांध बनाकर रोक दिया जाएगा और उसके पानी को नियंत्रित कर लिया जाएगा। दरअसल भाषाएं नदी के प्रवाह की तरह हैं। जिस तरह हर नदी का अपना प्रवाह है, उसके प्रवाह की अपनी ध्वनि है, कुछ ऐसा ही हाल हर भाषा का है। लेकिन तमिल हो या मराठी, उन्हें बेहतर मानने और बाकी भाषाओं को कमतर समझने की सोच सही नहीं है। हर भाषा उसे बोलने वाले मूल धारा के व्यक्ति के लिए उसकी अभिव्यक्ति का श्रेष्ठ साधन है। राज्यपाल के बयान का मकसद भाषाओं की दुनिया की इसी खूबसूरती से परिचित करना और उनके गौरवबोध से लोगों का परिचय कराना है।

महाराष्ट्र में मराठी बोली जाए या तमिलनाडु में तमिल का व्यवहार बाकी भाषाओं की तुलना में बेहतर हो, इससे भला किसी को क्यों इनकार होगा। लेकिन मराठी और तमिल को बेहतर बताने और हिंदी को कमतर बताने की सोच को स्वीकार नहीं किया जा सकता। हिंदी ही क्यों, बाकी भारतीय भाषाओं को कमतर बताना भी उचित नहीं होगा।

भाषा को लेकर गौरवबोध होना तो ठीक है, लेकिन अपनी भाषा के गौरवबोध को कथित तौर पर स्थापित करने के लिए हिंसा का सहारा लेना या जबरदस्ती करना उचित नहीं है। ऐसा करना एक तरह से कानून-व्यवस्था का मामला बन जाता है। ऐसे में राज्यपाल का यह कहना उचित ही है कि कानून-व्यवस्था ठीक नहीं रहेगी तो निवेशक राज्य में आने से बचेंगे, निवेश घटेगा तो राज्य में उत्पादक इकाइयां कम होगीं, इससे रोजगार घटेगा और राज्य का राजस्व भी। भाषा की राजनीति को इन तथ्यों को भी समझना होगा। उसे देखना होगा कि भाषा के प्रति प्यार और स्नेह अराजकता का जरिया ना बने। भाषा को लेकर आक्रामक राजनीति करने वाले दलों को भी समझना होगा कि भाषाई स्वाभिमान के नाम पर होने वाली जबरदस्ती अंततः दूसरे पक्ष को भी उकसाती है। सोचिए, अगर हर भाषाभाषी अराजक ढंग से अपने भाषायी गौरवबोध को उभारने और उसे अभिव्यक्ति देने लगे तो क्या होगा ? अराजकता का तीव्र विस्फोट होगा और उससे अंततः राष्ट्र की नींव में सुराखें बनने लगेंगीं। जिसकी बुनियाद पर राष्ट का खड़े रह पाना कठिन होगा। महाराष्ट्र के राज्यपाल के बयान को इन संदर्भों में भी देखा और समझा जाना चाहिए।

राज्यपाल ने ठीक ही कहा है कि हमें ज्यादा से ज्यादा भाषाएं सीखनी चाहिए, अपनी मातृभाषा पर गर्व भी करना चाहिए। इसे लेकर कोई समझौता भी नहीं किया जा सकता। लेकिन इसका यह भी मतलब नहीं है कि हम किसी और की मातृभाषा से नफरत करें। भाषाओं के नाम पर अराजक होने की बजाय जरूरत इस बात की है कि हम एक-दूसरे की भाषा ही नहीं, उसके समूचे अस्तित्व के प्रति सहिष्णु होना चाहिए। तुच्छ और तात्कालिक राजनीतिक फायदे के लिए भाषा के नाम पर सहिष्णुता का यह पुल एक बार टूटा तो उसे फिर से स्थापित कर पाना बेहद कठिन होगा। महाराष्ट्र के राज्यपाल के बयान को इन्हीं संदर्भों में देखा, परखा और समझा जाना चाहिए।

क्या आप भी खा रहे हैं समोसा और जलेबी? तो हो जाइए सावधान...

हमारे देश भारत में खाने-पीने की बहुत अहमियत है। यहां खाना सिर्फ पेट भरने के लिए नहीं खाया जाता है, बल्कि इसके पीछे एक इमोशनल छिपा होता है। घर पर मां के हाथ का बना खाना हो या बाहर की चटपटी चाट, लगभग हर भारतीय खाने-पीने का शौकीन होता है। लेकिन, क्या आपको पता है कि कब खाने-पीने की ये चीजें आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकती हैं। जी हां, कुछ भी खाते वक्त ये ध्यान रखना बहुत जरूरी हो जाता है कि आप हेल्दी खाना खा रही हैं या फिर अनहेल्दी चीजों को अपनी डाइट का हिस्सा बना रही हैं। क्या आपको भी समोसा, जलेबी, लड्डू और पकौड़े जैसी फ्राइड और मीठी चीजें बहुत पसंद हैं और आप इन्हें अक्सर खाती हैं, तो आपको सावधान होने की जरूरत है। इनसे आप गंभीर बीमारियों का शिकार हो सकती हैं और इन्हें खाने पर अब सरकार की तरफ से चेतावनी दी जाएगी।

समोसे और जलेबी ज्यादातर लोगों को पसंद होते हैं। लेकिन, इनमें मीठे और तेल की मात्रा बहुत अधिक होती है। ज्यादातर लोग इन्हें स्वाद में खा तो लेते हैं लेकिन यह नहीं जानते हैं कि इनमें कितना तेल और शुगर छिपी है और कैसे यह उनकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है। लेकिन, अब आप ये जान पाएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, अब स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से सभी केंद्रीय संस्थानों को निर्देश दिया गया है कि वे खाने-पीने की चीजों जैसे पकौड़ा, समोसा, वड़ा पाव, लड्डू और जलेबी पर ऑयल और शुगर बोर्ड लगाएं। जिससे कि लोगों को यह पता चल सके कि वे जिस स्नैक को खा रहे हैं, उसमें कितनी चीनी और तेल छिपा है। दरअसल ये बोर्ड्स एक चेतावनी की तरह काम करेंगे जिससे लोगों को ये समझ आए कि जिन फूड आइटम्स को वे अपने रूटीन में बेझिझक शामिल कर रहे हैं, वे कैसे उनकी सेहत को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि इससे लोग इन चीजों को सोच-समझकर ऑर्डर करेंगे, मोटापा, बीपी, कोलेस्ट्रॉल और डायबिटीज समेत कई दिक्कतें कम हो सकती हैं, खाना बनाने वाले लोग भी बैलेंस ऑयल और शुगर के इस्तेमाल की कोशिश करेंगे।

मोटापा बनता जा रहा है भारत के लिए बड़ी समस्या

इस समय मोटापा भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। अनुमान है कि 2050 तक भारत में लगभग 45 प्रतिशत लोग मोटापे से ग्रस्त हो सकते हैं। ऐसे में यह एक सराहनीय कदम हो सकता है। सेहतमंद रहने के लिए अनहेल्दी फैट्स और रिफाइंड शुगर से दूर रहना और हेल्दी डाइट लेना बहुत जरूरी है। बताया जा रहा है कि इस योजना की शुरुआत फिलहाल नागपुर के सरकारी संस्थानों में की जा रही है।

इन बीमारियों में हाथ पैर पड़ जाते हैं सुन्न

समय रहते नहीं हुई पहचान तो होंगे लाखों खर्च

हाथ-पैर में सुन्नता, घातक बीमारियों का लक्षण हो सकता है, जिसे नजरअंदाज करना सेहत के साथ खिलवाड़ करने के समान है। इसलिए समय रहते इसकी मूल वजह की पहचान और उपचार जरूरी है।

सामान्य जीवन के लिए हाथ-पैर का सही से काम करना बेहद जरूरी है, पर कई बार हम जाने-अनजाने में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जिनके कारण हाथ-पैर कमजोर पड़ जाते हैं। खासकर हाथ-पैर में आई सुन्नता अपने आप में एक बेहद गंभीर स्थिति है, जो घातक बीमारियों का लक्षण हो सकता है। इसलिए समय रहते इसकी पहचान जरूरी है और यहां हम आपको इसी संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी देने जा रहे हैं। गौरतलब है कि अगर समय पर इलाज मिल जाए तो गंभीर बीमारियों का जोखिम काफी हद तक कम होता है। हाथ-पैरों की सुन्नता के संबंध में भी यही बात लागू होती है। समय रहते ही इसकी असल समस्या की पहचान जरूरी है। इसलिए उन समस्याओं के बारे में जानना आवश्यक हो जाता है, जिनके कारण हाथ-पैर में सुन्नता की समस्या आती है।

हाथ-पैरों या शरीर के किसी भी अंग में सुन्नता नर्व के डैमेज होने की स्थिति में होती है। ऐसी स्थिति किसी एक नर्व के दबने या क्षतिग्रस्त होने से भी हो सकती है या बहुत सारे नर्व के प्रभावित होने से। हमारे शरीर में लगभग 96 हजार किलोमीटर की तंत्रिका तंत्र कार्य करती है, जिससे शरीर के अलग-अलग हिस्सों और अंगों को सिग्नल पहुंचते हैं और वे कार्य करते हैं। दिमाग और स्पाइनल कॉर्ड के हिस्से में जब कोई नर्व डैमेज होता है तो सिग्नल टूटने के कारण हाथ और पैरों में सुन्नता आ जाती है। ऐसे में सुन्नता के साथ कई बार हाथ-पैर में झनझनाहट और दर्द भी महसूस हो सकता है। अब बात करते हैं कि कौन-कौन सी समस्याओं में ऐसी स्थिति बन सकती है।

मल्टीपल स्क्लेरोसिस

मल्टीपल स्केलेरोसिस केंद्रीय तंत्रिका तंत्र से जुड़ी घातक स्थिति है, जिसमें दिमाग, रीढ़ की हड्डी और ऑप्टिकल यानी आंख की तंत्रिकाएं प्रभावित होती हैं। ऐसे में मांसपेशियों में कमजोरी के साथ ही शरीर के अलग-अलग हिस्सों में सुन्नता उत्पन्न हो जाती है। बात करें इसके लक्षणों की तो हाथ-पैर में सुन्नता के साथ ही थकान और चक्कर आना, याददाश्त का कमजोर पड़ना और चेहरे की तंत्रिकाओं में दर्द महसूस होना भी शामिल है।

ब्रेन ट्यूमर

ब्रेन ट्यूमर की स्थिति में भी हाथ-पैर सुन्न पड़ सकते हैं या उनमें झनझनाहट महसूस हो सकती है। दरअसल, ब्रेन ट्यूमर मस्तिष्क और संवेदी रिसेप्टर्स तंत्रिकाओं के मार्ग को अवरुद्ध कर सकता है, ऐसी स्थिति में सिग्नल के टूटने के कारण हाथ-पैर या शरीर के दूसरे हिस्से काम करना बंद कर देते हैं।

डायबिटीज न्यूरोपैथी

शरीर में ब्लड शुगर का बढ़ा हुआ स्तर तंत्रिकाओं को भी क्षति पहुंचाता है, जिसके कारण हाथों और पैरों की सुन्नता की स्थिति बन सकती है। ऐसी स्थिति में पीड़ित व्यक्ति को असामान्य रूप से प्यास लग सकती है या अधिक यूरिन आने की दिक्कत पेश आ सकती कती है। इसलिए अगर आपको इनमें से कोई भी लक्षण नजर आएं तो अपने ब्लड शुगर की जांच जरूर करवाएं। वरना आगे चलकर यह समस्या गंभीर रूप ले सकती है।

कार्पल टनल सिंड्रोम

कार्पल टनल सिंड्रोम भी तंत्रिका तंत्र से जुड़ी समस्या है, जिसके कारण हाथों में सुन्नता, आती है। असल में ऐसा तब होता है जब हाथ की प्रमुख नसों में से कोई एक दब जाती है। ऐसे में समय रहते इसका उपचार जरूरी है, वरना आगे चलकर स्थिति गंभीर हो हो सकती है। इसके कारण हाथ और उंगलियां पूरी तरीके से काम करना बंद कर सकती हैं।

किडनी की बीमारी

किडनी डैमेज होने या उसमें आई खराबी के चलते भी हाथ-पैर की सुन्नता की हो सकती है। दरअसल, किडनी हमारे शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है। पर इसके खराब होने की स्थिति में जब विषाक्त पदार्थ सही से बाहर नहीं निकल पाते हैं तो वो तंत्रिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में हाथ और पैर में झनझनाहट और सुन्नता हो सकती है। बता दें कि अल्होकल के अधिक सेवन के परिणामस्वरूप भी हाथ-पैर में सुन्नता आ सकती है। वहीं कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट के रूप में भी हाथ-पैर में सुन्नता की स्थिति देखने को मिलती है। कुल मिलाकर देखा जाए तो हाथ-पैर में सुन्नता आना, घातक बीमारियों का लक्षण हो सकता है, जिसे नजरअंदाज करना सेहत के साथ खिलवाड़ करने के समान है। इसलिए समय रहते इसकी मूल वजह की पहचान और उपचार जरूरी है। उम्मीद करते हैं कि सेहत से जुड़ी यह जानकारी आपके लिए उपयोगी साबित होगी।

जिम में क्यों आता है हार्ट अटैक?

आजकल जिम करते वक्त काफी लोगों को हार्ट अटैक आ रहा है। आइए एक्सपर्ट से समझते हैं इसका असली कारण क्या है। और इससे बचाव कैसे किया जा सकता है।

फिट रहने के लिए लोग आजकल जिम जाते हैं। घंटों जिम में पसीने बहाते हैं। लेकिन बीते कुछ दिनों से अक्सर यह खबर सुनने को मिलती है कि जिम में हार्ट अटैक आ गया। तो क्या स्वस्थ रहने की कोशिश जानलेवा साबित हो रही है। हर कोई इस सवाल का जवाब जानना चाहता है। खासकर युवाओं में डर का माहौल हो गया है। आइए जानते हैं, जिम में हार्ट अटैक क्यों आ रहा है।

जिम में क्यों आ रहा है हार्ट अटैक?

एक्सपर्ट बताते हैं कि अक्सर हमें लगता है की हेवी एक्सरसाइज से दिल पर दवाब पड़ता है और दिल का दौरा पड़ जाता है। लेकिन इसके लिए सिर्फ हेवी एक्सरसाइज जिम्मेदार नहीं है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। आप डाइट कैसी ले रहे हैं। आप स्मोकिंग करते हैं, नींद कैसी है आपकी, आप पानी पीते हैं या नहीं। कुछ लोग तो स्टेरॉयड का इस्तेमाल करते हैं। और कुछ लोग जेनेटिक सिंड्रोम के चलते इसकी चपेट में आते हैं। ये सभी चीजें मिलकर आपके दिल पर असर डालती है।

- जिन लोगों की डाइट खराब है, कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है। धमनियों में पहले से प्लाक जमा हो उनमें हेवी एक्सरसाइज के दौरान अचानक से ब्लड फ्लो बढ़न से हार्ट अटैक आ सकता है।
- कई बार कुछ लोगों का बीपी बढ़ा हुआ रहता है, और वो एक्सरसाइज करते हैं, तो इससे भी दिल पर दबाव पड़ता है।
- अगर आप 40 साल से अधिक के हैं या आपको हृदय रोग का पारिवारिक इतिहास रहता है, तो जिम जाने से पहले अपना चेकअप कराएं।
- हाइड्रेट रहें। अपने शरीर की सुनें। अगर छाती में दर्द या सांस में तकलीफ होती है, तो तुरंत एक्सरसाइज बंद कर दें।

क्या आपके घुटने भी लॉक हो जाते हैं?

क्या आपको कभी ऐसा महसूस हुआ है कि चलते-फिरते या उठते-बैठते आपका घुटना अचानक से मुड़कर अटक गया हो और उसे सीधा करने में आपको जोर लगाना पड़ा हो या किसी की मदद लेनी पड़ी हो। लेकिन क्या आप जानती हैं कि मेडिकल रूप से इस शब्द का सही अर्थ क्या है?

क्या कभी आपके साथ ऐसा हुआ है कि आपका घुटना अचानक मुड़ा का मुड़ा रह गया हो और उसे सीधा करने के लिए आपको झटका देना पड़ा हो या किसी की मदद लेनी पड़ी हो? इस कंडीशन को मेडिकल भाषा में घुटने का लॉक होना कहते हैं। अक्सर लोग घुटनों से आने वाली आवाज या हल्के दर्द को भी लॉकिंग समझ लेते हैं, लेकिन डॉक्टर बताते हैं कि यह सही नहीं है। डॉक्टर का कहना है, जब हम कहते हैं कि घुटना लॉक हो गया, तब सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि घुटना लॉक होने का असली मतलब क्या है। हम अक्सर ऐसे कई मरीज देखते हैं जो कहते हैं कि सर, हमारा घुटना लॉक हो गया है। लेकिन, वह किसी तरह की आवाज या हल्के दर्द या असुविधा को लॉकिंग समझ लेते हैं। असल में घुटना लॉक होने का मतलब यह होता है कि आपका घुटना मुड़ा का मुड़ा रह गया है और उसे सीधा करने के लिए आपको या तो हाथ से बल लगाना पड़ रहा है या फिर कोई झटका देना पड़ रहा है या किसी दूसरे व्यक्ति की मदद से उसे सीधा करना पड़ रहा है। इस कंडीशन को मेडिकली लॉकिंग कहते हैं।

घुटने लॉक होने के कारण

डॉक्टर समझाते हैं कि घुटने लॉक होने का सबसे आम कारण मैकेनिकल ऑब्स्ट्रक्शन होता है। इसका मतलब है कि घुटने के जोड़ के अंदर कोई बाहरी या ढीली चीज फंस जाती है, जिससे घुटने की नॉर्मल स्पीड रुक जाती है।

अब सवाल यह है कि यह लूज बॉडी या ढीली चीज आती कहां से है? यह लूज बॉडी आमतौर पर हमारे घुटने के जोड़ के अंदर मौजूद सॉफ्ट टिश्यूज या हड्डियों के छोटे टुकड़ों से बनती है।

मेनिस्कस का टूटना

घुटनों में मौजूद मेनिस्कस होता है, जो वॉशर या कुशन की तरह काम करता है। यह घुटने के जोड़ को स्थिरता देता है और झटकों को सहने में मदद करता है। जब किसी युवा का खेलकूद के दौरान या किसी चोट के कारण घुटने में मेनिस्कस को फट जाता है, तो इसका टूटा हुआ हिस्सा जोड़ के बीच में फंस सकता है। यह युवाओं में घुटने के लॉक होने का आम कारण है।

कार्टिलेज का टुकड़ा या अन्य ढीली वस्तु

जब लोग बढ़ती उम्र में घुटने में घिसाव का अनुभव करते हैं, तब घुटने के कार्टिलेज घिसने लगते हैं। इस घिसाव के कारण कार्टिलेज के छोटे-छोटे टुकड़े टूटकर घुटने के जोड़ के अंदर तैरने लगते हैं। ये छोटे टुकड़े या कोई और ढीली वस्तु जो घिसाव से जोड़ में आ जाती है, वह भी घुटने को लॉक कर सकती है।

लिगामेंट टियर

कई बार घुटने में लिगामेंट के फटने से घुटना लचकने लगता है, जैसे एसीएल टियर (एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट) में घुटना अपनी जगह से थोड़ा हिल सकता है और यह भी मरीज को लॉकिंग जैसी कंडीशन दे सकता है, भले ही कोई चीज फंसी न हो। यह स्यूडो-लॉकिंग हो सकती है। एसीएल आपके घुटने के अंदर मौजूद एक ऐसा लिगामेंट है, जो आपकी जांघ की हड्डी को पिंडली की हड्डी से जोड़ता है और आपके घुटने को स्थिर रखता है। डॉक्टर यह बात दोहराते हैं कि घुटने के लॉक होने का मुख्य कारण मैकेनिकल ऑब्स्ट्रक्शन ही होता है, यानी कोई ऐसी ढीली चीज जो जोड़ के बीच में फंस रही हो और उसकी नॉर्मल स्पीड को रोक रही हो। यदि आप घुटने के लॉक होने की समस्या का अनुभव करते हैं, तो तुरंत ऑर्थोपेडिक सर्जन के पास जाएं, ताकि भविष्य में होने वाली किसी भी बड़ी समस्या से बचा जा सके।

संक्षिप्त समाचार

नगरीय क्षेत्र कवर्धा में 26.96 लाख की लागत से सीसी रोड एवं नाली निर्माण होगा

कवर्धा (समय दर्शन)। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के विशेष प्रयास से नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग छग शासन द्वारा अधोसंरचना मद अंतर्गत नगर पालिका परिषद कवर्धा के लिए कुल ? 26.96 लाख (छब्बीस लाख छियानबे हजार रुपए) की प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त हुई है। यह राशि नगरीय क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में 6 निर्माण कार्यों के लिए दी गई है, जिनमें सीसी रोड और आरसीसी नाली का निर्माण शामिल है। पार्षद सुनील साहू ने बताया कि 1. पवन कौशिक के घर से वानखेड़े सर के घर तक सीसी रोड निर्माण ? 1.41 लाख 2.इकबाल कौर के घर से महिलांग सर के घर तक सीसी रोड निर्माण ? 4.95 लाख 3 विमल कोसरिया के घर से तुलसी सतनामी के घर तक आरसीसी नाली निर्माण ? 4.27 लाख 4. श्रवण साहू के घर से राज तिवारी के घर तक सीसी रोड निर्माण ?6.52 लाख 5. वार्ड क्रमांक 26 में गणेश कौशिक के घर से अर्जुन ठाकुर के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य हेतु राशि ?9.81 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है। वार्ड पार्षद श्री साहू ने बताया कि स्थानीय नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों ने उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव तथा उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी अध्यक्ष नगर पालिका परिषद कवर्धा का हृदय से आभार व्यक्त किया है। उनके सतत प्रयासों से कवर्धा नगर क्षेत्र में अधोसंरचना विकास को गति मिल रही है, जिससे नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं सुलभ होंगी और क्षेत्र का समुचित विकास हो सकेगा।

नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ में 11वीं वाणिज्य संकाय में दो सीटें खाली, 10 अगस्त तक करें आवेदन

डोंगरगढ़। जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ में कक्षा 11वीं वाणिज्य संकाय में पढ़ाई का सपना देख रहे विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए विद्यालय में वाणिज्य संकाय की दो सीटें रिक्त हैं। नवोदय विद्यालय समिति के निर्देशानुसार वर्तमान में कक्षा 11वीं में अध्ययनरत छात्र इन रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं। प्राचार्य संजय कुमार मंडल ने जिले के सभी अभिभावकों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों और समाजसेवियों से आग्रह किया है कि यदि कोई इच्छुक और योग्य छात्र इस अवसर का लाभ लेना चाहता है तो वह आवेदन अवश्य करें। आवेदन की प्रक्रिया ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से स्वीकार की जा रही है। प्रवेश से जुड़ी प्रमुख जानकारी इस प्रकार है-कक्षा-11वीं, संकाय-वाणिज्य, रिक्त सीटों की संख्या-2, अंतिम तिथि-10 अगस्त 2025, ईमेल-jnvdongargarh@gmail.com के साथ ही कृष्ण कुमार 94246-38616 एवं अनिल कुमार पॉल 78691-78810 से भी संपर्क कर सकते है। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि इच्छुक छात्र निर्धारित तिथि तक आवेदन करें, जिससे प्रवेश प्रक्रिया को समय पर पूरा किया जा सके। यह सूचना जनहित में जारी की गई है।

शक्तिधाम महाकाली मंदिर में विधिवत परंपरा के साथ मनाई गई नागपंचमी

राजनांदगांव। शहर के बाबूटोला वार्ड क्रमांक 1 स्थित शक्तिधाम महाकाली मंदिर में नागपंचमी का पर्व पारंपरिक श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना कर नागदेवता का आह्वान किया गया एवं जंगल से औषधीय जड़ी-बूटियों लाकर विधिवत पूजन किया गया। मंदिर परिसर में गुरुदेव हरीश यादव के सान्निध्य में धार्मिक विधियों का आयोजन हुआ। गुरुदेव ने नागदेवता की पूजा कर क्षेत्र में शांति, सुख-समृद्धि और निरोगी जीवन की कामना की। उन्होंने बताया कि नागपंचमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति और जीव-जंतुओं के प्रति हमारी श्रद्धा और संवेदना को दर्शाने वाला दिन है। इस दिन नागदेवता को प्रसन्न करने के लिए परंपरागत बिहाट गीतों का भी गायन किया गया, जिससे मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। पूजा-अर्चना के दौरान बड़ी संख्या में मंदिर समिति के सदस्यगण, श्रद्धालुजन एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। सभी ने सामूहिक रूप से पूजा में भाग लिया और प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर समिति की ओर से कार्यक्रम की सुव्यवस्था सुनिश्चित की गई।

रधान पाठक पदोन्नति शीर्घ्त अवकाश आदि के आदेश अतिशीघ्र जारी किए जाएंगे- अधिकारी ने दिया आश्वासन

बालोद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन बालोद के पदाधिकारियों ने प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी बालोद डी पी कोसरे से मुलाकात कर जिले में कार्यरत शिक्षक एल बी संवर्ग के स्थानीय समस्याओं पर पूर्व में 23 मई को सौंपे गए ज्ञापन पर कार्यवाही के लंबित विषयों पर चर्चा की व ज्ञापन सौंप शीघ्र निराकरण की मांग की।23 मई को डीईओ से मुलाकात व चर्चा में कार्यवाही करने के आश्वासन पर भी लंबित सभी समस्याओं को पुनः सौंपा गया ।सौंपे गए ज्ञापन में सहायक शिक्षक(एल बी) से ई व टी संवर्ग के प्राथमिक शाला प्रधानपाठक के रिक्त पदों पर प्रक्रियाधीन पदोन्नति शीघ्र करने, लोकसभा निर्वाचन-2024 के कारण मुख्यालय नहीं छोड़ने के बदले जिले के सभी शिक्षकों को अन्य जिले की भांति नियमानुसार अर्जित अवकाश स्वीकृत करने, ग्रीष्मकालीन अवकाश में कार्य के लिए प्राचार्यो को अर्जित अवकाश, मध्यप्रदेश शासन वित्त विभाग के ज्ञापन क्रमांक एफबी 11-3-83/ नि-2/चार, दिनांक 11 जनवरी के अनुसार जिले के अनुसूचित क्षेत्र डौंडी विकास खंड के कर्मचारियों के लिए अन्य जिले की भांति 10 दिन का अतिरिक्त अर्जित अवकाश व 7 दिन का अतिरिक्त आकस्मिक अवकाश स्वीकृत करने आदेश जारी करने, जिले के सभी विकास खंड में सीजीपीएफ पासबुक संधारण व सेवा पुस्तिका संधारण के लिए संगठन द्वारा पूर्व में सौंपे गए ज्ञापन पर अपेक्षित प्रक्रिया न होने से शिविर के माध्यम से संधारण करने, उच्च परीक्षा अनुमति के लिए पिछले एक दो वर्षो के लंबित अनुमति आदेश के लिए स्थिति स्पष्ट करने, सर्व शिक्षा अभियान अंतर्गत कार्य कर चुके शिक्षकों के संविलियन के पूर्व के माह जुलाई 2016 से मार्च 2017 तक के 7त्न लंबित डीए एरियर्स का कई बार ज्ञापन के बावजूद लगभग 8-9 वर्ष बाद भुगतान शीघ्र भुगतान करने आदि पर चर्चा कर ज्ञापन सौंपा गया। अधिकारी ने सभी समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। प्राथमिक प्रधान पाठक के पदो पर पदोन्नति की तैयारी की जानकारी दी।प्रधान पाठक पदोन्नति की तैयारी की जानकारी अधिकारी ने दिया साथ ही अर्जित अवकाश सहित अन्य मांगों का निराकरण भी शीघ्र किए जाने का भी आश्वासन दिया। टीचर्स एसोसिएशन बालोद की ओर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपने वालों में जिला अध्यक्ष दिलीप साहू, प्रांतीय संगठन सचिव बीरबल देशमुख, जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र देवांगन, पवन जोशी, जिला सचिव नरेंद्र साहू,ब्लॉक अध्यक्ष गुरूर सूरजगोपाल गंगबेर,ब्लॉक अध्यक्ष गुंडरदेही राजेंद्र देशमुख,ब्लॉक अध्यक्ष डौंडी लोहारा अविनाश साहू, जिला संगठन मंत्री लेखराम साहू,भूपेंद्र पांडे,जिला आई टी सेल प्रभारी शिवेंद्र बहादुर साहू,महेंद्र चौधरी, हरीश कुमार साहू, खेमन साहू आदि उपस्थित थे।

शिक्षक संवर्ग के हितों को लेकर छत्तीसगढ़ शिक्षक कांग्रेस संघ जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा

सारंगढ़-बिलाईगढ़ योगेश कुर्रे (समय दर्शन) 01 अगस्त 2025 को छत्तीसगढ़ शिक्षक कांग्रेस संघ जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ के प्रतिनिधि मंडल ने विकासखंड बिलाईगढ़ बी.ई.ओ.श्री सत्यनारायण साहू से उनके कार्यालय में मुलाकात किया एवं शिक्षकों के हित में विस्तारपूर्वक चर्चा परिचर्चा कर ज्ञापन सौंपा, जिसमें माह जुलाई के वेतन में कुछ शिक्षकों का वेतनवृद्धि नहीं जोड़े जाने, जी.पी.एफकटौती निर्धारित दर से अधिक किए जाने, वर्ष 2014 में कटौती की गई आयकर की राशि संबंधित शिक्षकों के टी डी एस कटौती एकाउंट में इन्द्राज नहीं होने, कर्मचारियों का ऑनलाइन अवकाश पोर्टल में अवकाश अपडेट नहीं होने, सत्र 2024-25 का सेवा सत्यापन अविलंब पूर्ण कर संबंधितों के सेवा पुस्तिका में प्रविष्ट करने, आगामी निकट भविष्य में सेवा निवृत्त होने वाले शिक्षकों एवं कर्मचारियों के पेंशन

प्रकरण की कार्यवाही शुरू कर सेवा निवृत्ति के दिन स्वत्वों का भुगतान सुनिश्चित करने तथा एल.बी.संवर्ग के मृत शिक्षकों के स्वत्वों एवं लंबित पेंशन प्रकरणों के लिए उनके आश्रितों को कार्यालय बुलाकर शीघ्र निराकरण करने के संबंध में विस्तारपूर्वक वार्ता हुई। विकासखंड शिक्षा अधिकारी महोदय श्री सत्यनारायण साहू ने सभी मांगों पर सहानुभूति पूर्वक सहयोग कर तत्परता से निराकरण का आश्वासन प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों को दिया पश्चात ज्ञापन सौंपा गया। संघ के प्रतिनिधि मंडल में संघ के प्रांतीय सचिव श्री नरेन्द्र कुमार साहू, जिला अध्यक्ष कामता प्रसाद साहू, विकासखंड अध्यक्ष अश्विनी जाटवर, तहसील अध्यक्ष बिलाईगढ़ कुमारी बाई साहू, भटगांव फ्रितराम सायतोड़े, भुवनलाल साहू, फ्रितराम साहू(वरिष्ठ प्रधानपाठक पू.मा.), राजेन्द्र राय(जिला उपाध्यक्ष), तेजप्रकाश भारद्वाज, भैयाराम पाटले(शिक्षक नेता), रामकुमार साहू(संयुक्त सचिव), दरसराम राजेत्री (संयुक्त सचिव), मनोज कुमार दुबे, धनीराम भारद्वाज, मोतीराम टंडन, उदयराम साहू, लुकेश्वर साहू पवनी, योगेश साहू एवं मोहन लाल साहू सहित बड़ी संख्या में शिक्षक गण उपस्थित थे।

अवैध सट्टा-जुआ के खिलाफ जागरूक हुआ अजीत जोगी युवा मोर्चा, थाना प्रभारियों को सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव। अजीत जोगी युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष शमसुल आलम ने डोंगरगढ़ एवं बोरतलाब थाना पहुंचकर थाना प्रभारियों को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में डोंगरगढ़ क्षेत्र में अवैध सट्टा एवं बोरतलाब क्षेत्र में जुए के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की गई।

शमसुल आलम ने बताया कि बीते कई महीनों से ग्रामीणों की ओर से लगातार शिकायत मिल रही है कि इन क्षेत्रों में अवैध रूप से सट्टा और जुआ संचालित हो रहा है। इससे क्षेत्र के युवाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है, जिससे वे पढ़ाई छोड़कर इस अवैध गतिविधि में संलिप्त हो रहे हैं। आलम ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि एक सप्ताह के भीतर ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो पुलिस प्रशासन की

मिलीभगत मानते हुए एसपी कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

ज्ञापन सौंपने के दौरान आलम ने यह भी आरोप लगाया कि धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर प्रशासन की लापरवाही चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि कंट्रोल रूम में सूचना देने के बावजूद कोई पुलिसकर्मी मौके पर नहीं पहुंचा, जिससे जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लग गया है।

इस दौरान उनके साथ संभावित जिला अध्यक्ष नमन पटेल, बालोद जिलाध्यक्ष मिलाप बघेल, शहर अध्यक्ष बिलाल सोलिन खान, जिला महासचिव ऋषभ रामटेके, अनवर खान, मनोज पटेल, रामेश्वर पटेल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने एंथे के 16 शानदार वर्षों का जश्न मनाते हुए एंथे 2025 लॉन्च किया

रायपुर: छात्रों के सपनों को कामयाबी में बदलते हुए 16 सफल साल पूरे करने पर, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ङ्क जो टेस्ट प्रिपरेशन में देश की अग्रणी संस्था है ङ्क ने अपने प्रमुख इनिशिएटिव एंथे 2025 (आकाश नेशनल टैलेंट हंट एग्ज़ाम) की शुरुआत का ऐलान किया है। भारत के एकेडमिक कैलेंडर में हर साल का सबसे बहुप्रतीक्षित इवेंट माने जाने वाले एंथे 2025 का मकसद, कक्षा 5वीं से 12वीं तक के छात्रों को चुनौतियों से लड़ने और असली प्रॉब्लम सॉल्वर बनने के लिए प्रेरित और सशक्त बनाना है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सभी तक पहुँचाने के अपने मिशन को आगे बढ़ाते हुए, एंथे 2025 में स्टूडेंट्स को ?250 करोड़ तक की स्कॉलरशिप (100त्न तक) दी जा रही है, जो क्लासरूम, आकाश डिजिटल और इन्विक्टस कोर्सेस पर लागू होगी। इसके साथ ही ?2.5 करोड़ तक के कैश अवॉर्ड्स भी दिए जा रहे हैं, जो मेडिकल या इंजीनियरिंग में सक्सेसफुल करियर का सपना देखने वाले स्टूडेंट्स के लिए मददगार साबित होंगे।

यह एग्जाम स्टूडेंट्स के लिए नीट, जेईई, स्टेट सीईटी, एनटीएसई और ओलम्पियाड जैसे कॉम्पिटिटिव एग्जाम्स की बेस्ट कोचिंग पाने का रास्ता खोलता है, जो आक़ाश के एक्सपर्ट फैकल्टी द्वारा दी जाती है। इस प्रतिबद्धता को और मज़बूत करते हुए, आकाश अब इन्विक्टस ऐस टेस्ट लॉन्च कर रहा है ङ्क एक स्कॉलरशिप परीक्षा, जो कक्षा 8 से 12 तक के छात्रों के लिए आकाश इन्विक्टस जेईई एडवांस्ड प्रिपरेशन प्रोग्राम में एडमिशन के लिए है। यह एक नेशनल-लेवल एलिजिबिलिटी-कम-स्कॉलरशिप टेस्ट है, जो 24 अगस्त, 31 अगस्त और 7 सितंबर 2025 को आयोजित होगा। तीन घंटे की यह परीक्षा (सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक) ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में उपलब्ध होगी, जिसकी एप्लिकेशन फीस ?300 है। जो छात्र बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे, उन्हें 100त्न तक की स्कॉलरशिप और शानदार कैश प्राइज दिए जाएंगे। आकाश इन्विक्टस प्रोग्राम देश के चुनिंदा इन्विक्टस सेंटर्स पर उपलब्ध है, जिनमें शामिल हैं: दिल्ली-एनसीआर, चेन्नई, बेंगलुरु, लखनऊ, मेरठ, प्रयागराज, देहरादून, भोपाल, इंदौर, अहमदाबाद, चंडीगढ़, रोहतक, हैदराबाद, नमक्कल, कोयंबटूर, भुवनेश्वर, रांची, त्रिची, विशाखापट्टनम, मुंबई, कोलकाता, दुर्गापुर और पटना। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के सीईओ और एमडी, श्री दीपक मेहरोत्रा ने कहा, एंथे अब देशभर के छात्रों के लिए एक उम्मीद की पहचान बन चुका है। पिछले 16 वर्षों में हमने मेधावी छात्रों को उनके सपनों को पूरा करने का मौका दिया है, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति या लोकेशन कुछ भी हो।

शक्तिधाम महाकाली मंदिर में विधिवत परंपरा के साथ मनाई गई नागपंचमी

राजनांदगांव। शहर के बाबूटोला वार्ड क्रमांक 1 स्थित शक्तिधाम महाकाली मंदिर में नागपंचमी का पर्व पारंपरिक श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना कर नागदेवता का आह्वान किया गया एवं जंगल से औषधीय जड़ी-बूटियों लाकर विधिवत पूजन किया गया।

मंदिर परिसर में गुरुदेव हरीश यादव के सान्निध्य में धार्मिक विधियों का आयोजन हुआ। गुरुदेव ने नागदेवता की पूजा कर क्षेत्र में शांति, सुख-समृद्धि और निरोगी जीवन की कामना की। उन्होंने बताया कि नागपंचमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति और जीव-जंतुओं के प्रति हमारी श्रद्धा और संवेदना को दर्शाने वाला दिन है। इस दिन नागदेवता को प्रसन्न करने के लिए परंपरागत बिहाट गीतों का भी गायन किया गया, जिससे मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा।

पूजा-अर्चना के दौरान बड़ी संख्या में मंदिर समिति के सदस्यगण, श्रद्धालुजन एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। सभी ने सामूहिक रूप से पूजा में भाग लिया और प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर समिति की ओर से कार्यक्रम की सुव्यवस्था सुनिश्चित की गई।

राजीव गांधी महाविद्यालय में दीक्षारंभ एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए, युवाओं को दिया सफलता का मंत्र

मुंगेली(समय दर्शन) छत्तीसगढ़ के लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, विधि और विधायी कार्य, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा उपमुख्यमंत्री अरुण साव आज लोरमी प्रवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने राजीव गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में आयोजित दीक्षारंभ एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना से हुई। महाविद्यालय के प्राचार्य एम.के. धुर्वे ने उपमुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए संस्थान की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्ष 1994 से संचालित यह महाविद्यालय लोरमी नगर की शैक्षणिक पहचान बन चुका है। मुख्यमंत्री द्वारा गर्मी के समय वाटर कूलर एवं 100 सीटर कन्या छात्रावास की सौगात क्षेत्रवासियों के लिए बड़ी उपलब्धि है। कार्यक्रम में छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया और छात्रा पूर्णिमा द्वारा उपमुख्यमंत्री को मांग-पत्र

सौंपा गया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री साव ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि हमें प्रकृति और समाज से जुड़कर समग्र विकास की दिशा में आगे बढ़ना होगा। उन्होंने अपने छात्र जीवन की स्मृतियाँ साझा करते हुए विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, अनुशासन और निरंतर प्रयास का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि लक्ष्य निर्धारित करना महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी अधिक आवश्यक है, सही दिशा तय करना। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता का रास्ता मेहनत और ईमानदारी से होकर गुजरता है। इस दौरान उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जीवन संघर्ष और उपलब्धियों का उदाहरण देते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा, मन और तन दोनों को साधना होगा। यह तय आपको करना है कि आप 45 प्रतिशत अंक वाले विद्यार्थी बनना चाहते हैं या 95 प्रतिशत अंक वाला, क्योंकि वही सितारे की तरह चमकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि कभी भी डिप्रेशन, निराशा और हताशा को अपने जीवन में जगह न दें। ये आपके सबसे बड़े शत्रु हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे नेता एक गरीब माँ के बेटे होकर भी विश्व मंच पर छाए हैं, यह मेहनत और लगन का परिणाम है।

वृक्षारोपण कर दिया संदेश, सांस्कृतिक मंच निर्माण सहित की विभिन्न घोषणाएं- कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री साव ने महाविद्यालय परिसर में आम का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल औपचारिकता नहीं बल्कि हमारी भावी पीढ़ियों के प्रति एक जिम्मेदारी है।उन्होंने ग्लोबल वार्मिंग और जल संरक्षण के प्रति युवाओं को जागरूक करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ने कॉलेज की मांगों को सकारात्मकता के साथ स्वीकार करते हुए आवश्यक घोषणाएं कीं, इनमें 15 नग ग्रीन बोर्ड, परिसर में बाउण्ड्रीवाल, चेकर पत्थर, 02 सेट सोलर हाइमास्ट और सांस्कृतिक मंच निर्माण की घोषणा की। इस अवसर पर उन्हें महाविद्यालय की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में लोरमी एसडीएम अजीत पुजारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्राचार्यगण, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बीआरसी पद के लिए व्याख्याता अपात्र है तो छुरा ब्लाक में व्याख्याता कैसे बना बीआरसी ?

राज्य परियोजना कार्यालय का आदेश को किया गया दरकिनार ।

गरियाबंद (समय दर्शन).। राज्य परियोजना कार्यालय राजीव गांधी शिक्षा मिशन समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़ रायपुर ने अपने आदेश क्रमांक 2306/2016-17 दिनांक 15/3/17 में समस्त कलेक्टर,एवं पदेन मिशन संचालक को जारी आदेश के कंडिका(1) में लेख किया गया है कि बीआरपी व्याख्याता/व्याख्याता पंचायत संवर्ग को न बनाया जाए।बीआरसी पद के लिए पात्र प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक या उच्च श्रेणी शिक्षक ही जिसे खंण्ड स्त्रोत समन्वयक पद पर नियुक्त किया जा सकता है।

इसी तरह बिलासपुर में व्याख्याताओं को बीआरसी पद के लिए पात्र नहीं माना गया ओर साक्षात्कार से बाहर कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ के सभी जिलों विकास खण्ड में नियमानुसार बीआरसी पद पर नियुक्ति हुआ है लेकिन गरियाबंद जिला के छुरा

विकास खण्ड में बीआरसी पद पर फिंगेश्वर विकास खण्ड के परसदा कला हाईस्कूल के व्याख्याता को छुरा बीआरसी पद नियुक्ति किया गया है,आखिर नियमविरुद्ध बीआरसी पद पर हरीष कुमार देवांगन व्याख्याता की नियुक्ति आदेश जारी करने वाले अधिकारी की क्या मजबूरी रहा होगा जिसने शासन-प्रशासन के आदेश को नजर अंदाज किया।छुरा ब्लाक में एक भी योग्य पात्र शिक्षक नहीं है जिसे बीआरसी बनाया जा सकता है।अपात्र हरीश देवांगन को बीआरसी बनाने के पीछे या तो राजनीतिक स्तर से अधिकारी को दबाव या लेन-देन पर ही बीआरसी बनाया गया होगा ? छुरा ब्लाक के अपात्र बीआरसी हरीष देवांगन के कार्यकाल की जांच एवं तत्काल पद से हटाकर उनके मूल पदस्थापना शाला में भेजने के लिए मुख्यमंत्री,राज्यपाल, कलेक्टर,मिशन संचालक को शासन के आदेश की प्रति के साथ मांग पत्र देने के लिए प्रतिनिधि मंडल रायपुर पहुंच कर मुलाकात करेंगे । डीपीसी गरियाबंद शिवेश शुक्ला :--- इस संबंध में कोई शिकायत नहीं आया है, शिकायत आने पर आवश्यक कार्यवाही के लिए राज्य परियोजना को पत्र लिखा जायेगा ।

खबर-खास

हौंडा मोटरसाइकल और स्कूटर इंडिया ने नई CB125 हॉर्नेट और शाइन 100 DX की कीमतों का ऐलान किया, बुकिंग शुरू

नईदिल्ली: होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया ने नई CB125 हॉर्नेट और शाइन 100 DX लॉन्च कर बाइक प्रेमियों को खुश कर दिया है। यूथ को ध्यान में रखते हुए CB125 हॉर्नेट को स्टाइलिश लुक और दमदार परफॉर्मेंस के साथ पेश किया गया है - जो कहती है 'Ride Your Ri55'। वहीं शाइन 100 DX अब और बेहतर फीचर्स और प्रीमियम स्टाइलिंग के साथ आई है, जैसी ग्राहक उम्मीद करते हैं - Solid Hai I CB125 हॉर्नेट की शुरुआती कीमत 1,12,000 रखी गई है और शाइन 100 DX 74,959 में उपलब्ध है (एक्स-शोरूम गुरुग्राम)। ग्राहक इन्हें ऑनलाइन (www.hondawwheelersindia.com) या नजदीकी होंडा डीलरशिप पर जाकर बुक कर सकते हैं। एचएमएसआई की दमदार टू-व्हीलर रेंज में हाल ही में शामिल हुए ये नए मॉडल भारतीय ग्राहकों के राइडिंग अनुभव को एक नया रूप देने के लिए तैयार हैं। होंडा CB125 हॉर्नेट को खासतौर पर युवा और शहरी राइडर्स की पसंद को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। इसका एग्रेसिव स्ट्रीट-स्टाइल लुक, मस्कुलर फ्यूल टैंक और शार्प श्राउड्स इसके डिजाइन को बोल्ड बनाते हैं। स्टाइलिश मफलर और चार आकर्षक कलर ऑप्शन्स - पर्ल सायरन ब्लू विथ लेमन आइस यलो, पर्ल इग्नियस ब्लैक, पर्ल सायरन ब्लू विथ एथलेटिक ब्लू मेटैलिक, और पर्ल सायरन ब्लू विथ स्पोर्ट्स रेड - इसकी रोड प्रेजेंस को और भी प्रभावशाली बनाते हैं। मोटरसाइकिल की प्रीमियम अपील को इसके सेगमेंट में पहली बार दिए गए गोल्डन यूएसडी फ्रंट फोर्क्स और 5-स्टेप एडजस्टेबल मोनो-शॉक अब्जॉर्बर और बेहतर हैंडलिंग के साथ और भी बढ़ा दिया गया है। एडवांस फीचर्स से लैस CB125 हॉर्नेट में ऑल-एलईडी लाइटिंग सिस्टम दिया गया है, जिसमें सिग्नेचर ट्विन-एलईडी हेडलैंप, डीआरएल्स और हाई-माउंटेड टर्न इंडिकेटर्स शामिल हैं। इसमें 4.2-इंच की टीएफटी डिस्प्ले भी मिलती है, जो ब्लूटूथ-इनेबल्ड Honda RoadSync कनेक्टिविटी के साथ आती है, जिससे नेविगेशन, कॉल्स और एसएमएस अलर्ट्स का आसानी से उपयोग किया जा सकता है। मोटरसाइकिल की अतिरिक्त विशेषताएँ जैसे कि एक यूनिवर्सल स्क्र टाइप-C चार्जिंग पोर्ट, साइड-स्टैंड इंडिकेटर जिसमें इंजन इनहिबिटर शामिल है, और सामने की तरफ लगा हुआ 240 मिमी पेटल डिस्क जो सिंगल-चैनल ABS के साथ आता है — ये सभी सुविधाएँ सुविधा और सुरक्षा दोनों को बढ़ाते हैं। नई CB125 हॉर्नेट को 123.94cc, सिंगल-सिलेंडर, फ्यूल-इंजेक्टेड, और OBD2B कंप्लायंट इंजन से पावर मिलती है, जो 7500 RPM पर 8.2 kW की पावर और 6000 RPM पर 11.2 ह्ध्र का पीक टॉर्क पैदा करता है।

डीएमएफफंड की बंदरबांट और कॉरपोरेट लूट से भाजपाई भी आहत- हाफिज खान

गरियाबंद (समय दर्शन).। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत के सोशल मीडिया पर गाना गाकर अपनी ही सरकार से विकास मांगने पर प्रतिक्रिया व्यक्त किया है।इस पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हाफिज खान ने कहा है कि रीढ़ विहीन भाजपाइयों के लिए रवि ने प्रतिमान स्थापित किया है,सुशासन के तमाम दावों की पोल खुल चुकी है। गाने में एक छत्तीसगढ़िया और आम आदिवासी युवा की पीड़ा स्पष्ट तौर पर प्रदर्शित है। पूरे प्रदेश में डीएमएफ फंड की बंदरबाट हो रही है,खनन और उद्योग प्रभावित क्षेत्र के लोगों का हक मार कर कमीशन खोरी के लालच में डीएमएफ और सीएसआर फंड की राशि फूंकी जा रही है। पांचवी अनुसूची के क्षेत्र सरगुजा और बस्तर में ग्राम सभा के अधिकारों को बाईपास करके खनिज संसाधन मोदी के

पूंजीपति मित्रों को लुटाया जा रहा है,रिमोट से सरकार संचालित है,सरकार आखिर चला कौन रहा है,इस बात से भाजपा के नेता भी अनभिज्ञ है।भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष तक की हालत यह है की शिकायत और मांग कहां रखनी है,वे समझ नहीं पा रहे हैं, कहीं किसी की कोई सुनवाई नहीं है,इसलिए कॉरपोरेट लूट से आहत भाजपाई सोशल मीडिया पर आकर कलपने मजबूर हैं।

ब्लॉक कांग्रेस मिडिया प्रभारी टिकेश साहू ने कहा है कि बृजमोहन अग्रवाल जैसे भाजपा के वरिष्ठ नेता को पिछले 6 महीने के दौरान 7 पत्र प्रदेश सरकार को लिखना पड़ा,लेकिन किसी मामले में अब तक उनकी भी कोई सुनवाई नहीं हुई।भाजपा के जनाधार वाले नेता ही इस सरकार की उपेक्षा से व्यथित हैं।मोदी की गारंटी के नाम पर छत्तीसगढ़ में भाजपा ने हर वर्ग के साथ धोखा किया है।किसान,युवा,मजदूर, कर्मचारी-अधिकारी और महिलाएं नाराज हैं ही, इसके साथ ही भाजपा के कार्यकर्ता भी खुश नहीं है।पहले भी भाजयुमों के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने लैलूंगा और धरमजयगढ़ विधानसभा क्षेत्र की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए लिखा था कि क्या लैलूंगा और धरमजयगढ़ विधानसभा की जनता खराब सड़कों के कारण रोड एक्सीडेंट से बे मौत मरे? क्या यही चाहती है कि प्रदेश की जनता धूल खायें? जमीन देकर बेघर हो जाए?डीएमएफ और सीएसआर के नियम चूल्हे में जाए? इन मदों का सारा पैसा ओपी केवल रायगढ़ में खर्च करें? आगे उन्होंने कहा है कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री ननकी राम कंवर ने भी कहा है कि भाजपा सरकार में न उनके कार्यकर्ता और नेता ना खुश हैं,ना छत्तीसगढ़ में सरकार नाम की कोई चीज काम कर रही है।शिक्षा,स्वास्थ्य,रोजगार सहित तमाम जनहित के विषय गौड हो गए है, सरकारी स्कूल हजारों की संख्या में बंद कर दिए गये है,तमाम कर्मचारी संघ आंदोलन पर है,सड़कों के गड्ढे भरने की स्थिति में यह सरकार नहीं है,किसान खाद, बीज संकट से परेशान है और यह सरकार केवल छत्तीसगढ़ के संसाधनों को लूटने जंगलों की कटाई करने में व्यस्त है। डेढ़ साल के भीतर ही यह सरकार अपने ही कार्यकर्ताओं के बीच बेहद अलोकप्रिय हो चुकी है।

एचडीएफसी इर्गो ने खरीफसीजन के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना लागू की

रायपुर। भारत की अग्रणी जनरल इंश्योरेंस कंपनी, एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को छत्तीसगढ़ सरकार ने खरीफ 2025 सीजन के लिए बालोद, बलौदाबाजार, बलरामपुर, बिलासपुर, दंतेवाड़ा, दुर्ग, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, मुंगेली, रायपुर, सरगुजा और सुकमा जिलों में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) लागू करने के लिए अधिकृत किया है। इन जिलों में इस योजना का क्रियान्वयन छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा योजना के अंतर्गत अधिसूचित निम्नलिखित फसलों के लिए किया जाएगा, जिनके लिए फसलों के अनुसार अंतिम तिथियाँ निम्नलिखित हैं। पीएमएफबीवाई योजना में किसानों को सूखा, बाढ़, अकाल, भूस्खलन, चक्रवात, तूफान, ओलावृष्टि, सैलाब, कीट, बीमारियों आदि जैसे कई बाहरी ख़तरों के कारण फसल को होने वाले नुकसान से बीमा की सुरक्षा मिलती है। फसल के नुकसान का आकलन करने के लिए, राज्य सरकार इस योजना के लिए अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों पर फसल कटाई प्रयोग (सीसीई) की योजना बनाकर उसका संचालन करेगी। यदि संचालित किए गए सीसीई में पैदावार के आँकड़े कम पाए जाते हैं, तो माना जाएगा कि किसान को फसल का नुकसान हुआ है, और इस नुकसान के लिए किसान को क्लेम दिया जाएगा।

नाम परिवर्तन

मैं आकांक्षा सिंह (Aakansha Singh) पिता श्री जगदेव सिंह (Jagdev Singh), उम्र 38 वर्ष निवासी- 2/ए, ईएमआर, सेक्टर- 04, भिलाई-01, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) 490001, मैं दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे रायपुर डिविजन दुर्ग, जिला दुर्ग (छ.ग.) में डिप्टी सीटीआई, में पदस्थ हूं जिसमें मेरा नाम Smt. Aakansha Titty दर्ज है। मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम आकांक्षा सिंह (Aakansha Singh) पिता श्री जगदेव सिंह (Jagdev Singh), दर्ज है जो कि सत्य एवं सही है। मेरे नाम से शैक्षणिक अंकसूची जारी हुआ है जिसमें मेरा नाम आकांक्षा सिंह (Aakansha Singh) पिता श्री जगदेव सिंह (Jagdev Singh), दर्ज है जो कि सत्य एवं सही है। मेरा सही एवं वास्तविक नाम आकांक्षा सिंह (Aakansha Singh) पिता श्री जगदेव सिंह (Jagdev Singh), है जो कि सत्य एवं सही है। मेरे आगे सभी शासकीय / अर्द्धशासकीय/वित्तीय संस्थान के दस्तावेज पर मेरा सही एवं वास्तविक नाम आकांक्षा सिंह (Aakansha Singh) पिता श्री जगदेव सिंह (Jagdev Singh), दर्ज किया जावें। शासकीय गजट प्रकाशन पर मेरा सही एवं वास्तविक नाम आकांक्षा सिंह (Aakansha Singh) पिता श्री जगदेव सिंह (Jagdev Singh), दर्ज करवाना चाहती हूं। जिसके समर्थन में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

नाम परिवर्तन

मै शपथकर्ता गीतू कुमार विश्वकर्मा आ. रामजी उम्र 40 वर्ष जाति लोहार निवासी ग्राम सुरपा तहसील पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) की निवासी हूं मेरे पुत्री का वास्तविक नाम धनिका आ. गीतू कुमार विश्वकर्मा है जो सही है। मेरे पुत्री के आधार कार्ड में मेरे पुत्री का नाम घनिता आ. गीतू कुमार विश्वकर्मा दर्ज है जो गलत है। मेरे पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र से उसका नाम धनिका आ. गीतू कुमार दर्ज है मेरे पुत्री के आधार कार्ड में अंकित नाम घनिता आ. गीतू कुमार विश्वकर्मा दर्ज है जिसे सुधार कर धनिका आ. गीतू कुमार विश्वकर्मा दर्ज किया जावे। मेरे पुत्री के आधार कार्ड मे घनिता आ. गीतू कुमार विश्वकर्मा के स्थान पर जन्म प्रमाण मे अंकित नाम धनिका आ. गीतू कुमार विश्वकर्मा दर्ज किये जाने हेतु सक्षम अधिकारी के समक्ष शपथपूर्वक प्रस्तुत करता हूं।

शपथकर्ता

सेंटर फ्रेश और यूगॉव की इंडिया ओवरथिंकिंग रिपोर्ट में खुलासा, पिज्जा पर राजनीति से ज्यादा सोचता है भारत

रायपुर/बिलासपुर: सेंटर फ्रेश (Center Fresh) और यूगॉव (YouGov) के एक नए राष्ट्रीय अध्ययन ने खुलासा किया है कि ओवरथिंकिंग अब भारतीयों के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है - सिर्फ संकट के समय ही नहीं, बल्कि रोजमर्रा के छोटे-छोटे फैसलों में भी वे ओवरथिंकिंग कर रहे हैं। पहली बार सामने आई इस 'सेंटर फ्रेश इंडिया ओवरथिंकिंग रिपोर्ट' के अनुसार, 81त्न भारतीय रोजाना तीन घंटे से ज्यादा समय ओवरथिंकिंग में बिताते हैं, जबकि हर चार में से एक व्यक्ति मानता है कि यह उसकी लगातार बनी रहने वाली आदत है। चाहे मैसेज का जवाब देना हो, खाने का चुनाव करना हो, या इंस्टाग्राम पर पोस्ट डालनी हो, आंकड़े बताते हैं कि पीढ़ियों और क्षेत्रों से परे यह दोबारा सोचने की आदत हर जगह मौजूद है। रिपोर्ट ने टियर 1, 2 और 3 शहरों के छात्रों, नौकरीपेशा लोगों और स्व-रोजगार से जुड़े लोगों से सर्वेक्षण किया और चार प्रमुख क्षेत्रों ङ्क भोजन एवं जीवनशैली की आदतें, डिजिटल और सोशल लाइफ, डेटिंग एवं रिश्ते और कॅरियर एवं प्रोफेशनल लाइफपर गहराई से अध्ययन किया। नतीजों से पता चलता है कि टेक्नोलॉजी, सामाजिक अपेक्षाओं और लगातार जुड़े रहने की वजह से आधुनिक जीवन की पेचीदगियाँ बढ़ रही हैं, जिससे ओवरथिंकिंग एक सार्वभौमिक आदत बन चुकी है। बॉस की ओर से एक शब्द में जवाब आया तो समझ लो- रेड अलर्ट 42 प्रतिशत भारतीयों को लगता है कि जब बॉस सिर्फ ओके लिखकर जवाब देता है तो जरूर कुछ गलत है ङ्क यह सभी डेमोग्राफिक्र समूहों में सबसे आम प्रतिक्रिया है। महिलाएं (42 प्रतिशत) और पुरुष (41 प्रतिशत) लगभग बराबर प्रतिशत में सबसे बुरी स्थिति की कल्पना कर लेते हैं।

छोटे शहरों से लेकर वैश्विक मंच तकः सैमसंग और स्टार्टअप इंडिया ने भारत की अगली पीढ़ी के इनोवेटर्स को सशक्त बनाने के लिए साझेदारी की

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने भारत सरकार की प्रमुख पहल स्टार्टअप इंडिया के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। इसका मकसद भारत के दूरदराज के क्षेत्रों से युवा इनोवेटर्स को सशक्त बनाना और सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो के माध्यम से देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करना है। नई दिल्ली में इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। यह साझेदारी सैमसंग के प्रमुख नवाचार कार्यक्रम सॉल्व फॉर टुमॉरो और स्टार्टअप इंडिया के मजबूत राष्ट्रीय इकोसिस्टम — जिसमें इन्क्यूबेशन, मार्गदर्शन और नीतिगत सहयोग शामिल है — को एक मंच पर लाती है। इसका उद्देश्य खासतौर पर टियर 2 और टियर 3 शहरों से उभरती प्रतिभाओं की पहचान करना और उन्हें जरूरी ढांचा, विशेषज्ञों का मार्गदर्शन, बाज़ार से जुड़ाव और फंडिंग के अवसर प्रदान करके आगे बढ़ाना है। सैमसंग साउथ वेस्ट एशिया के कॉरपोरेट वाइस प्रेसिडेंट एस. पी. चुन ने कहा, सैमसंग में हमारा मानना है कि जब युवाओं को सही मंच और सहयोग मिलता है, तो नए-नए विचार उभरते हैं। स्टार्टअप इंडिया के साथ हमारी यह साझेदारी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सॉल्व फॉर टुमॉरो की सोच और स्टार्टअप इंडिया के व्यापक नेटवर्क को एक साथ लाकर हम देश के दूर-दराज के इलाकों से युवाओं को आगे लाना चाहते हैं और उन्हें आने वाले समय के समस्या समाधानकर्ता बनने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं। यह साझेदारी स्किल इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी पहलों से जुड़ी हुई है और देश में नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक मजबूत पहल है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग, भारत सरकार के संयुक्त सचिव श्री संजीव ने कहा, नवाचार विकास की कुंजी है। यह नई संभावनाएं खोलता है, प्रगति को बढ़ावा देता है और बेहतर भविष्य के लिए समाधान देता है। युवाओं को सशक्त करना भारत की तरक्की की कहानी का मुख्य हिस्सा है।

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला विवाह अधिकारी कबीरधाम (छ.ग.)

प्रारूप 'ख'
(नियम 6 (1) देखिए)
// सूचना का प्रकाशन / /

क्रमांक / 6011 / प्रस्तुतकार / 2025 कवर्धा, दिनांक 18/07/2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय में विवाह के रजिस्ट्रीकरण हेतु वर एवं वधु नीचे तालिका में दर्शित संयुक्त रूप से अधिनियम 1955 के अन्तर्गत अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत किया गया है और उक्त आवेदन पर विचार करने के लिए दिनांक 13/ 08 /2025 नियत किया गया है। जिसके संबंध में सामान्य जानकारी निम्नानुसार है:-

क्र.	वर का नाम	पता	क्र.	वधु का नाम	पता
1.	मोहनदास बंजारे पिता भागवत बंजारे आयु 32 वर्ष	निवासी ग्राम सोमनापुर, तहसील पण्डरिया जिला कबीरधाम	1.	आरती यादव पिता उमेश यादव, आयु 28 वर्ष	निवासी वार्ड नं.-15 रेस्टहाउस के पास राम्हेपुर तहसील, लोरमी जिला मुंगेली, हाल मुकाम, ग्राम सोमनापुर तहसील पण्डरिया जिला कबीरधाम

आपको एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि आप इस सूचना की प्राप्ति के 15 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें कि क्या आप उपरोक्त आवेदन पत्र में वर्णित विशिष्टियों की सत्यता स्वीकार करते हैं और क्या विवाह के तथ्यों को विवाह अधिनियम 1955 के अधीन बनाए रखे गए विवाह रजिस्टर में प्रविष्टि किए जाने के संबंध में आपको कोई आपत्ति है।

यदि उपरोक्त कालावधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती तो यह समझा जावेगा कि विवाह के रजिस्ट्रीकरण के संबंध में आपको कोई आपत्ति नही है और आप व्यक्तिगत रूप से तारीख 13 / 08 / 2025 को उपस्थित हो सकते हैं और ऐसा न करने पर कार्यवाहियां आपकी अनुपस्थिति में विनिश्चय किये जाने का दायित्वाधीन होगा।

आज दिनांक 18.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर से जारी किया गया।

जिला विवाह अधिकारी
कबीरधाम

कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला नारायणपुर (छत्तीसगढ़)

क्रमांक/पुअ/ना0पुर/एसी-1/2025-26/M- 927/ नारायणपुर, दिनांक 29/07/2025

: : निविदा आमंत्रण सूचना : :

पुलिस अधीक्षक नारायणपुर की ओर से अधिकृत निर्माताओं तथा उनके अधिकृत विक्रेताओं से निम्नांकित सामग्री प्रदान करने हेतु मोहर बंद निविदायें स्पीड पोस्ट/डाक से आमंत्रित की जाती है। कोरे भाव पत्रक पुलिस अधीक्षक, कार्यालय से आवेदन प्रस्तुत कर (आयकर/जी0एस0टी0 कर, चुकता एवं अधिकृत विक्रेता प्रमाण पत्र सहित) कोरे निविदा प्रपत्र की राशि 0055 पुलिस, 800 अन्य प्राप्तियां के अन्तर्गत चालान के माध्यम से जमा कर कार्यालयीन दिवसों में प्राप्त किये जा सकते है। अमानत राशि एफ.डी.आर.के रूप में स्वीकार की जावेगी।

स0क्र0	क्रय किये जाने वाले सामग्री का विवरण	लागत राशि	अमानत राशि	कोरे निविदा प्रपत्र मूल्य
01.	कम्प्यूटर सेट क्रय किये जाने हेतु	12.00 (लाख)	12000/-	750/- (सात सौ पचास रूपये मात्र)

1. निविदा की अंतिम तिथि - 16/08/2025 समय अपरान्ह 4.30 बजे तक।
2. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 17/08/2025 समय अपरान्ह 4.30 बजे तक।
3. निविदा खोलने की तिथि - 18/08/2025 समय सायं 5.00 बजे तक।

स्थान पुलिस अधीक्षक कार्यालय नारायणपुर।

टीप :-
1. निविदा सम्बधी अन्य सम्पूर्ण जानकारी कार्यालयीन समय पर कार्यालय में प्राप्त कर सकते है।

G-252602549/2

पुलिस अधीक्षक,
नारायणपुर

कार्यालय कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बेमेतरा

शीतला मंदिर के पास सिंघौरी, जिला – बेमेतरा (छ.ग.)

E-mail Id- ceres.bemetara@gmail.com Phone No. 07824222332

क्र./1691/का.अभि/वलेलि/ग्रा.यां.सेवा/2025-26 बेमेतरा, दिनांक 25/07/2025

संक्षिप्त ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 06 (द्वितीय बार)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत (लोक निर्माण विभाग में) "द" एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न दर्शित सिविल कार्य हेतु मुख्य अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विकास आयुक्त कार्यालय रायपुर द्वारा निर्माण एवं संधारण कार्य हेतु दर अनुसूची जो **दिनांक 01.11.2021** एवं ट्यूब वेल कार्य हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग दिनांक **01.06.2020** में प्रचलित एवं अद्यतन संशोधित दरों पर **विकासखण्ड नवागढ़ के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों हेतु स्वीकृत 25.00 लाख लागत तक के निर्माण कार्य हेतु जोन क्र. -01 एवं विकासखण्ड बेमेतरा हेतु** जोन क्र. 01, **विकासखण्ड बेरला हेतु** जोन क्र. **01 एवं जोन क्र. -02** अनुमानित लागत **प्रत्येक जोन हेतु 35.00** लाख रूपये का जोनल ई- निविदा आमंत्रित की जाती है।

उपरोक्त निविदा की समस्त शर्ते व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है तथा विभागीय वेबसाईट **https://eproc.cgstate.gov.in** में दिनांक **30.07.2025** से देखी/डाउनलोड की जा सकती है एवं ऑनलाइन निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि **08.08.2025** तथा निविदायें दिनांक **13.08.2025** को अपरान्ह 12:00 बजे खोली जावेगी।

(राहुल कश्यप)
कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा,संभाग-बेमेतरा
जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

G- 252602478/1

गोदरेज के लॉक्स एंड आर्किटेक्चरल सॉल्यूशंस ने डिजाइन पर्सपेक्टिव रायपुर 2025 में पेश किए अपने अत्याधुनिक स्मार्ट लॉक्स और डेकोर हैंडल्स

रायपुर: गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का एक प्रमुख व्यवसाय, लॉक्स एंड आर्किटेक्चरल सॉल्यूशंस, जो होम सेफ्टी और आर्किटेक्चरल हार्डवेयर में इनोवेशन के लिए जाना जाता है, रायपुर के सयाजी होटल में 1 अगस्त 2025 को आयोजित हुए डिजाइन पर्सपेक्टिव रायपुर में भाग लेने के लिए तैयार है। यह एक प्रतिष्ठित मंच है जो क्षेत्र के सबसे प्रभावशाली आर्किटेक्ट्स और इंटीरियर डिजाइनर्स को एक साथ लाता है, जहां वे उभरते हुए ट्रेंड्स, नेटवर्किंग और प्रोडक्ट इनोवेशन पर चर्चा करते हैं। लॉक्स एंड आर्किटेक्चरल सॉल्यूशंस अपनी सबसे उन्नत और डिजाइन-केंद्रित इनोवेशन को प्रदर्शित करेगा, जिसमें एक अनुभवात्मक प्रोडक्ट इंस्टॉलेशन भी शामिल है। इनमें से कुछ प्रमुख प्रोडक्ट्स हैं:

* एडवांटिस ढ्ढश्वञ्ज9 स्मार्ट लॉक: यह भारत का पहला पूरी तरह से स्वदेशी ढ्ढश्वञ्ज-सक्षम स्मार्ट लॉक है जिसमें 9 एक्सेस मोड हैं, जैसे फिंगरप्रिंट, मोबाइल ऐप, वियरेबल्स, RFID और NFC। * एडवांटिस त्रस्रुष्ठ1: यह एक नया और किफायती स्मार्ट लॉक है, जिसे विशेष रूप से भारत के टियर 2 और 3 शहरों के घरों के लिए डिजाइन और निर्मित किया गया है।

कार्यालय नगर पालिक निगम भिलाई

// निविदा सूचना //

क्र./वाहन/न.नि./2025/514/166 भिलाई, दिनांक 30.07.2025

आयुक्त नगर पालिक निगम भिलाई की ओर से निर्मात्री संस्थान/ अधिकृत संस्थान/ संधारणकर्ता/ स्थानीय संधारण से निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है-

क्र.	कार्य का नाम	निविदा लागत (रूपए में)	निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि
1	वाहन क्र. CG07/C/7517 (टाटा 407 टैंकर) का संधारण कार्य	1,47,850.00	21/08/2025

टीप :- नियम शर्तो एवं मापदण्डों की जानकारी कार्यपालन अभियंता (वाहन) के कार्यालय में कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम भिलाई की वेबसाईट www.bhilainagarnigam.com संचालनालय की वेबसाईड www.uad.cg.gov.com एवं चिप्स की वेबसाईट eproc.cgstate.gov.in से देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम
भिलाई

संक्षिप्त-खबर

ठेठवार यादव समाज भिलाई नगर का बैठक संपन्न, श्री कृष्ण जन्माष्टमी, शपथ ग्रहण समारोह और तीज मिलन धूमधाम से मनाने लिया निर्णय

भिलाई नगर। छत्तीसगढ़ राज ठेठवार यादव समाज भिलाईनगर के तीनों विंग वरिष्ठ, महिला प्रकोष्ठ एवं युवा प्रकोष्ठ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का प्रथम परिचय सम्मेलन एवं कार्यकारिणी बैठक आयोजित किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता श्री नरेन्द्र यदु अध्यक्ष भिलाई नगर यादव समाज द्वारा किया गया। इस बैठक में विभिन्न निर्णय लिया गया । जिसमें दिनांक 16 अगस्त को जन्माष्टमी पूजा कार्यक्रम , 17 अगस्त को शपथ ग्रहण समारोह, डोमशेड निर्माण लोकार्पण एवं दही लूट कार्यक्रम, तथा 31 अगस्त को तीज़ मिलन समारोह का आयोजन ठेठवार सदन प्रगतिनगर रिसाली, भिलाईनगर में किए जाने का निर्णय किया गया। बैठक में समाज के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

बिजली आफिस के सामने ही नियमों को ताक पर रख ठेकेदार कर रहे काम, ट्रांसफार्मर लगाने के काम में जान जोखिम में डाल रहे ठेकेदार के मजदूर, बिजली विभाग के अधिकारी के नाक के नीचे हो रहा है काम

पाटन। बिजली विभाग में पाटन विश्राम गृह के बाजे में बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारी के कार्यकाल के सामने हु बिजली विभाग के ठेकेदार नियमों को तार तार कर रहे है। यहां पर ट्रांसफार्मर लगाने का काम चल रहा है। जिसमें ठेकेदार के मजदूर बिना सुरक्षा व्यवस्था के अपनी जान जोखिम में डालकर काम करने मजबूर है। ऐसा नहीं है कि बिजली विभाग के अधिकारी यह नहीं जानते। सबकुछ जानते हुए भी अनजान बने बैठे है। बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारी के कार्यालय के 100 मीटर दूरी पर सामने ही काम हो रहा है। जिस जगह काम हो रहा है उस जगह से अभी कुछ देर पहले ही अधिकारी गुजरा लेकिन उस तरफ देखा तक नहीं नहीं। यह पहली बार नहीं है जब इस तरह के बिना सुरक्षा उपकरण का प्रयोग किए काम हो रहा है। लगभग हर जगह यहीं स्थिति हैं। ठेकेदार के मनमानी पर बिजली विभाग के अफ्सर भी मौन है। इससे पूर्व कई बार दुर्घटना घट चुकी है। इसके बाद भी कार्यों के दौरान सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं होना ठेकेदार और विभागीय लापरवाही को दर्शाता है।

बैलाडीला में मोहम्मद रफ़ी को मधुर संगीतमय श्रद्धांजलि

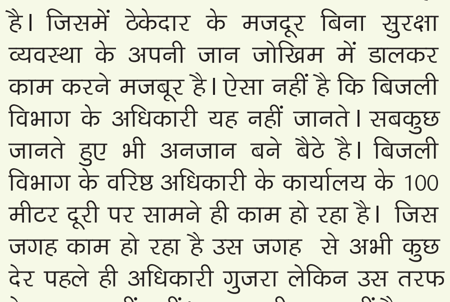

किरंदुल: बैलाडीला के कलाकारों ने मशहूर गायक मोहम्मद रफ़ी की याद में 31 जुलाई, गुरुवार को एक भावपूर्ण संगीत कार्यक्रम आयोजित किया। एनएमडीसी लर्निंग सेंटर, सिविल ऑफिस के पास हुए इस आयोजन में बैलाडीला संगीत समिति और बैलाडीला लाइव म्यूजिकल ग्रुप ने मिलकर रफ़ी साहब के सदाबहार गीतों को लाइव ऑर्केस्ट्रा के साथ प्रस्तुत किया। मोहम्मद रफ़ी के गानों ने श्रोताओं को भावुक कर दिया, जिन्होंने तालियों से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में एनएमडीसी किरंदुल के अधिशासी निदेशक रवींद्र नारायण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके साथ कंपनी के कई अधिकारी और संगीत प्रेमी भी शामिल हुए। स्थानीय कलाकार पी. किरण कुमार, प्रशांत कुमार वर्मा, आनंद पान, रीमा, चारु शिंदे, राजन, लखन देवांगन और वाई. अनिल ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीता। सुधार: खबर को संक्षिप्त और स्पष्ट किया गया, वाक्य संरचना को और आकर्षक बनाया गया, और हैडलाइन जोड़ी गई।

बंसुला स्कूल में संकुल स्तरीय प्रधान पाठक एवं रसोईया समूह का बैठक सम्पन्न

बसना (समय दर्शन)। शासन के आदेशानुसार विद्यालय का सफल संचालन हेतु संकुल के सभी विद्यालय के प्रधान पाठक एवं रसोईया समूह का एक आवश्यक बैठक मिडिल स्कूल बंसुला में आयोजित किया गया। जिसमें संकुल प्राचार्य बलदेव मिश्रा तथा संकुल समन्यवक गोवर्धन डडसेना के द्वारा शासन से प्राप्त आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किया गया ।

प्रत्येक शनिवार को विद्यालय का समय 10 बजे से 4बजे तक, मध्यान्ह भोजना गुणवत्ता युक्त हो तथा मीनू का पालन हो, अपार आई डी, जाति प्रमाण पत्र, कीचन गार्डन, न्योता भोज, मासिक पाठ्यक्रम के अनुसार अध्यापन, गणवेश एवं पाठ्यपुस्तक वितरण, विद्यार्थी विकास सूचकांक, शिक्षक दैनंदीनी, जर्जर भवन पर शाला संचालन नहीं करना, आदि अनेक विषयों पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर बंसुला संकुल में नियुक्त हुए नवपदस्थ शिक्षिका मंदाकिनी प्रधान, दुर्गा सिदार का स्वागत सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन प्रवीर कुमार बेहेरा, राजेश भोई के द्वारा किया गया। अंत मे आभार प्रदर्शन सुशील कुमार सिन्हा के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में प्रधान पाठक संतोषी साहू, पदमिनी साहू, शशि कुमार साव, प्रकाशिनी नंद, स्व सहायता समूह से बलि, धनमोती पटेल, पदमा साव, पार्वती साव, विशाखा साव, अनेक सदस्य गण उपस्थित थे।

उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा एडीआर भवन का वर्चुवल लोकार्पण

- कुटुम्ब न्यायालय महासमुंद, सरायपाली एवं बसना तालुका न्यायालय के नवीन भवनो का किया गया भूमिपूजन

महासमुंद (समय दर्शन)। जिला एवं सत्र न्यायालय महासमुंद के सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में जिला न्यायालय परिसर पर नवनिर्मित वैकल्पित विवाद समाधान केन्द्र (एडीआर) भवन का लोकार्पण, कुटुम्ब न्यायालय भवन तथा तहसील सरायपाली और बसना में न्यायालय भवन का भूमिपूजन वर्चुअल माध्यम से उच्च न्यायालय के न्यायाधिपतियों द्वारा किया गया। उद्घाटन एवं शिलान्यास कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति माननीय न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इसके अलावा छ.ग. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के कार्यकारिणी अध्यक्ष न्यायाधिपति माननीय संजय के अग्रवाल तथा उच्च न्यायालय बिलासपुर के माननीय न्यायाधिपति व महासमुंद के पोर्टफोलियो न्यायाधीश दीपक कुमार तिवारी विशेष रूप उपस्थित रहे। इस प्रकार उद्घाटन कार्यक्रम के अवसर पर माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती अनिता डहरिया, कुटुम्ब न्यायालय के न्यायाधीश प्रफुल्ल सोनवानी, महासमुंद कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश संघपुष्पा भतपहरी, द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती मोनिका जायवाल, उप-पुलिस अधीक्षक प्रतिभा पाण्डेय, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट महासमुंद आनंद बोरकर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महासमुंद कि सचिव श्रीमती आफ्रीन बानो, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल शर्मा, वनमंडलाधिकारी मंयक पाण्डेय सहित अन्य न्यायाधीशगण और विभिन्न विभागों के अधिकारी, लीगल एड डिफेंस कौंसिल के अधिवक्ता, अधिवक्ता संघ के पदाधिकारीगण, न्यायालयीन कर्मचारीगण उपस्थित थे।

दंतेवाड़ा में यातायात नियम तोड़ने पर ट्रक चालक को जेल, 22,100 का जुर्माना

- गायत्री चौक पर पुलिस की सख्त कार्रवाई, बिना दस्तावेज ट्रक चलाने वाला चालक हिरासत में
- तेलंगाना के ट्रक चालक को दंतेवाड़ा कोर्ट ने दी 1 माह 15 दिन की सजा

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.के. बर्मन और उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) नसर उल्लाह सिद्धिकी के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई की। सहायक उप निरीक्षक जितेंद्र त्रिपाठी के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक थान सिंह देशमुख, आरक्षक आदित्य कंदोई, हेमलाल रावते, वीरेंद्र कुमार वर्मा और यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने 27 जुलाई 2025 को गायत्री चौक, दंतेवाड़ा में वाहन चेकिंग के दौरान ट्रक (क्रमांक ञ्जस् 29 ञ्जक्र5679) को पकड़ा। ट्रक चालक याकूब पासा (उम्र 29 वर्ष, निवासी भद्राद्री, तेलंगाना) प्रतिबंधित क्षेत्र में वाहन चलाने और मूल दस्तावेज पेश न करने के आरोप में माननीय सीजेएम न्यायालय, दंतेवाड़ा में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय ने चालक को ?22,100 का जुर्माना लगाया। जुर्माना राशि जमा न करने पर याकूब पासा को 1 माह 15 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। यह कार्रवाई यातायात नियमों के उल्लंघन पर पुलिस की सख्ती को दर्शाती है।

शास बालक प्राथ शाला तुमगांव में मिशन फॉर लॉइफ क्लब का गठन व शपथ ग्रहण समारोह

महासमुंद (समय दर्शन)। महासमुन्द जिला अंतर्गत तुमगाँव मे मिशन फॉर लाइफ क्लब का गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह शासकीय बालक प्राथमिक शाला, तुमगांव मे पर्यावरण संरक्षण और सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने हेतु शासकीय बालक प्राथमिक शाला, तुमगांव में मिशन फॉर लाइफ क्लब का गठन किया गया।

यह क्लब भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित मिशन लाइफ (ख्द्धद्धह्वह्ल4द्यद्ध द्धश्वह्ल श्वठ्ठ1द्बह्लश्वठ्ठद्बद्गठ्ठह्ल) एवं छत्तीसगढ़ शासन के आदेश एवं जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा जिला महासमुंद के पहल के अंतर्गत विद्यार्थियों को व्यवहारिक पर्यावरणीय गतिविधियों में सहभागी बनाने हेतु गठित किया गया है। इस अवसर पर विद्यालय में एक संक्षिप्त परंतु गरिमामय शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें निर्वाचित, चयनित छात्र प्रतिनिधियों ने पर्यावरण की रक्षा, जल एवं ऊर्जा संरक्षण, प्लास्टिक के कम उपयोग और स्वच्छता जैसे संकल्पों की शपथ ली। शिक्षकों ने उनके कार्यों दायित्वों को विस्तार पूर्वक बताया।

मिशन फॉर लाइफ क्लब के प्रमुख पदाधिकारी। अध्यक्ष - लेखराज धीवर, उपाध्यक्ष - सागर धीवर, सचिव - रणवीर धीवर, सह सचिव टामेश्वर धीवर, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश पटेल, पर्यावरण प्रमुख उमेश धीवर, जलप्रमुख भावेश निर्मलकर, ऊर्जाप्रमुख वेदांत यादव, ई कचरा प्रमुख चिराग कुर्रे, स्वास्थ्य प्रमुख वेदप्रकाश, सांस्कृतिक प्रमुख अरविंद जांगड़े, प्रचार प्रमुख यशकुमार साहू, डिजिटल प्रमुख हेमेश विश्वकर्मा, सदस्यों में लक्की, झनक, लक्की, रोहित, मिथलेश, नैतिक, मानस, समीर, परमेश्वर, विराट, मोहन, मेहेन्द्र पर्यावरण प्रहरी, जल प्रहरी, ऊर्जा प्रहरी, सांस्कृतिक संयोजक, प्रचार प्रमुख, डिजिटल प्रभारी आदि विविध 25 पदों पर विद्यार्थियों का निर्वाचन एवं चयन किया गया।संस्था प्रमुख श्रीमती संगीता रात्रे ने अपने उद्बोधन में कहा कि मिशन फॉर लाइफ क्लब के माध्यम से विद्यार्थी पर्यावरणीय समस्याओं को न केवल समझेंगे, बल्कि उनके समाधान में भी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। 'एक पेड़ माँ के नाम' जैसी मुहिम बच्चों को भावनात्मक रूप से प्रकृति से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। शिक्षक एवं मिशन फॉर लाइफ क्लब के प्रभारी जितेन्द्र कुमार साहू ने बताया कि सात प्रमुख थीम्स के अंतर्गत मिशन फॉर लाइफ क्लब के माध्यम से वर्ष भर 2025-26 में ऊर्जा संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता, स्वास्थ्य जीवनशैली, सतत खाद्य प्रणाली, ई-कचरा प्रबंधन, जीवन में नवाचार एवं स्थानीय समाधान जैसे कई गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी, जिससे बच्चों में सतत विकास के प्रति समझ और जिम्मेदारी दोनों विकसित हो। कार्यक्रम में समस्त शिक्षकगण, विद्यार्थीगण एवं अभिभावकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मिशन फॉर लाइफ क्लब- जीवनशैली में परिवर्तन, पर्यावरण के लिए का संदेश बच्चों में नई ऊर्जा और जागरूकता भर रहा है।

जानकारी शिक्षक जितेंद्र कुमार साहू द्वारा दी गई ।

25 अक्टूबर से थम जाएगा छत्तीसगढ़ में वाहनों का पहिया, छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंघ ने किया एलान, नव सूत्रीय मांग को लेकर अभी से ट्रक ड्राइवरों को कर रहे जागरूक

पाटन। छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंगठन द्वारा 25 अक्टूबर से 5 नवम्बर तक स्टेयरिंग छोड़ो आंदोलन का ऐलान कर दिया है। इसके लिए संगठन के शाखा आल ड्राइवर एसोशिएशन जिला दुर्ग द्वारा जगह जगह जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। आज सेलूद में ट्रक और अन्य मालवाहक वाहन के ड्राइवरों को गाड़ी को रोककर संगठन के मांगो की जानकारी देते हुए स्टेयरिंग छोड़ो आंदोलन को सफल बनाने का अपील किया। संगठन पदाधिकारी सदस्यता अभियान भी चला रहें है जिससे कि सभी ड्राइवर सदस्य बन सके। ड्राइवरों की प्रमुख मांग में छत्तीसगढ़ में ड्राइवर वेलफेयर बोर्ड का गठन, प्रदेश में पूर्ण शराब बंदी सहित नव अन्य मांग शामिल हैं छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंगठन द्वारा चलाए जा रहे इस जागरूकता अभियान को ट्रक ड्राइवर सहित मालवाहक वाहनों के ड्राइवर्स का समर्थन मिल रहा हैं । आज प्रमुख रूप से संभाग अध्यक्ष नागराज, जिला सचिव चिरंजन साहू, जिला संरक्षक रहीपाल साहू, अंडा खंड संरक्षक कुशाल यादव, गोविंद यादव, खुमान यादव, श्याम देव सहित अन्य मौजूद रहे।

संगीत, सम्मान और संदेशों की त्रिवेणी बनी 'रफी नाइट'

- जनसेवक,पत्रकारों और पर्यावरण योद्धाओं का हुआ सम्मान

बलौदाबाजार(समय दर्शन)। नगर भवन बलौदाबाजार में बुधवार शाम सुरों की ऐसी बयार बही कि मोहम्मद रफी के नगमों में डूबे सैकड़ों श्रोतागणों से खचाखच भरे सभागार में गीतों की गूंज और तालियों की झंकार देर शाम तक गूंजती रही। रफी साहब की 44वीं पुण्यतिथि पर आयोजित एक शाम रफी के नाम कार्यक्रम में न सिर्फ गीतङ्कसंगीत की रंगीन प्रस्तुतियां हुईं, बल्कि समाज सेवा से जुड़े अनेक व्यक्तित्वों को मंच से सम्मानित भी किया गया,कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री टंकाराम वर्मा मौजूद रहे,जिन्होंने रफी के गीत हुस्न पहाड़ों का... और छत्तीसगढ़ी गीत डहर के जवेया... गाकर माहौल में चार चांद लगा दिए। नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की, वहीं कलेक्टर दीपक सोनी, एसपी भावना गुप्ता और डीएफओ गणवीर धम्मशील विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

जनसेवक,पत्रकारों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं का हुआ सम्मान कार्यक्रम में पत्रकारों,महिला स्व-सहायता समूहों, 85त्न से अधिक अंक लाने वाले छात्रङ्कछात्राओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं राष्ट्रीय पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण मंच के पदाधिकारियों का श्रीफल,अंग वस्त्र और मोमेंटो देकर सार्वजनिक सम्मान किया गया।

विशेष रूप से पर्यावरण संरक्षण, जन-जागरूकता और पौधरोपण जैसे अभियानों में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाले पर्यावरण योद्धाओं को सराहा गया। मंच से राष्ट्रीय पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण मंच के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी एवं वरिष्ठ पत्रकार एच. डी.महंत,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक रामदयाल दयाल उइके,राष्ट्रीय महामंत्री डोमार सिंह साहू,राष्ट्रीय सचिव प्रकाश शर्मा,युवा मोर्चा अध्यक्ष डॉ. टेमन जनबन्धु, बलौदा बाजार जिला अध्यक्ष नरेश गुप्ता सभी के वक्तव्य एवं गौरव सम्मान से नवाजा गया,15 वर्षों से अनवरत चल रही परंपरा कार्यक्रम आयोजक के.के. वर्मा व संरक्षक रामाधार पटेल ने बताया कि यह आयोजन लगातार 15वें वर्ष सफ्लतापूर्वक आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि रफी नाइट केवल संगीत नहीं, एक सामाजिक आंदोलन है, जो पेड़ लगाओ ङ्क पुण्य कमाओ जैसे संदेशों को भी जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम में यश ग्रुप भिलाई के राजा बाबू, कोलकाता की प्रियंका दत्ता, लता जी व पुनीत जी ने रफी साहब के सदाबहार गीतों से सभी को भावविभोर कर दिया।

मिशन न्यू इंडिया 2047 को समर्पित एक संगीतमय पहल यह आयोजन राष्ट्रीय पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण मंच एवं मिशन न्यू इंडिया 2047 के संयुक्त प्रयासों का हिस्सा रहा, जिसमें सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक विरासत को एक साथ जोड़ने का संदेश स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27